सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 107 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 21 मई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

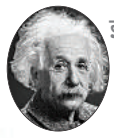

इंसान को यह देखना चाहिए कि क्या है, यह नहीं कि उसके अनुसार क्या होना चाहिए।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

दीप्ति ने दिव्यांगता को दी मात... 7 | कम मतदान, क्या हो रहा सत्ता का... 3 | 'भाजपा को बहुमत हासिल नहीं... 2

शाह-योगी के बयान पर विपक्ष का चौतरफा वार

» मालीवाल मामले में आप व बीजेपी में वार-पलटवार
» केजरीवाल व मनीष तिवारी ने साधा निशाना
» विपक्ष ने बीजेपी पर लगाया लोगों को भड़काने का आरोप
» केजरीवाल ने जेल में जाने के बावजूद सीएम पद नहीं छोड़ा : शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूपी के सीएम योगी व गृहमंत्री अमित शाह चौतरफा विपक्ष के निशाने पर आ गए है। कांग्रेस, आप से लेकर इंडिया गठबंधन के सभी दल उन पर हमलावर हैं। वहीं भाजपा भी पीछे हटने को तैयार नहीं है वह पलटवार करने में देर नहीं लगा रही है। ताजा विवाद अमित शाह के बयान पर हो गया है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने अमित शाह के बयान पर कहा कि कल वो दिल्ली आए थे और दिल्ली आकर उन्होंने देश के लोगों को गाली दी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के सपोर्टर पाकिस्तानी हैं। दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर 25 मई को वोट डाले जाएंगे। इसको लेकर अरविंद केजरीवाल लगातार चुनावी कैंपेन कर रहे हैं। यहां पार्टी ने कांग्रेस से गठबंधन किया है। आम आदमी पार्टी चार और कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है. इस समय दिल्ली की सभी सात सीटों पर बीजेपी का कब्जा है।

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वाति मालीवाल मारपीट मामले को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा और कहा कि जिस मुख्यमंत्री के आवास पर एक महिला सांसद को पीटा जाता है वह महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते। उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर आप प्रमुख पर भी निशाना साधा और कहा कि वह उन्हीं नेताओं के गठबंधन में शामिल हुए हैं जिन्हें उन्होंने पहले भ्रष्ट करार दिया था। गृह मंत्री ने केजरीवाल को बेशर्म व्यक्ति बताते हुए कहा कि जेल भेजे जाने के बावजूद उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा नहीं दिया।

कांग्रेस ने देश और समाज को बांटा : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश और समाज को बांटा है। कांग्रेस राम नाम को नकार चुकी है। इसके साथ ही उन्होंने से कांग्रेस उम्मीदवार मनीष तिवारी को उड़नखटोला बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद ये भाग जाते हैं, लेकिन, दुनिया में जब कोई संकट आता है तो पीएम नरेंद्र मोदी संकटमोचक बनकर आते हैं।

स्वाति मालीवाल हमला मामला : दिल्ली पुलिस ने जांच के लिए एसआईटी बनाइ

स्वाति मालीवाल हमला मामला- पुलिस अधिकारियों ने कहा आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर उनके निजी सहायक विभव कुमार द्वारा कथित तौर पर हमला किए जाने के एक हफ्ते बाद, दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। मालीवाल ने दावा किया है कि कुमार ने 13 मई को मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर उनके साथ मारपीट की, जब वह केजरीवाल से मिलने वहां गयी थीं। एसआईटी का नेतृत्व उत्तरी दिल्ली की अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अंजिता चेप्याला कर रही हैं। वह जांच का जिम्मा संभाल रही हैं. एसआईटी में तीन इंस्पेक्टर-रैंक के अधिकारी भी शामिल हैं, उनमें सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन का अधिकारी भी शामिल है, जहां मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने कहा कि एसआईटी अपनी जांच करने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। एसआईटी ने मुख्यमंत्री के स्टाफ के बयान दर्ज किये. उन्होंने सीएम के सुरक्षा कर्मियों के बयान भी दर्ज किए। साथ ही उन्होंने मोबाइल वीडियो में दिख रहे सुरक्षाकर्मियों से भी पूछताछ की। पुलिस ने विभव के आवास से विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए। इसके अलावा, सीएम हाउस से प्राप्त डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) को जांच के लिए फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) भेजा गया है।

क्या जिन्होंने आप को वोट दिया वो पाकिस्तानी थे : केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा, उनसे पूछना चाहता हूं कि दिल्ली के लोगों ने हमें वोट दिया। पंजाब के लोगों ने हमें वोट दिया। गुजरात के 14 प्रतिशत लोगों ने हमें वोट दिया, क्या वे पाकिस्तानी हैं? आपको पीएम ने अपना वारिश चुना कि आपको इसका अहंकार हो गया। अभी तो आप पीएम बने नहीं हैं और आपको अहंकार हो गया। आप पीएम नहीं बन रहे हैं। बीजेपी जा रही है, अहंकार कम करिए। तिहाड़ जेल से अंतरिम जमानत पर बाहर आने के बाद से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बीजेपी पर हमलावर हैं। मेरा सवाल है कि दिल्ली के लोगों ने हमें 56 फीसदी वोट देकर 62 सीटें दी। क्या दिल्ली के लोग पाकिस्तानी हैं? पंजाब के लोगों ने हमें 117 में से 92 सीटें दी। क्या पंजाब के लोग पाकिस्तानी हैं? गुजरात के लोगों ने हमें 14 प्रतिशत वोट दिया तो क्या यहां के लोग भी पाकिस्तानी हैं? गोवा के लोगों ने प्यार दिया तो क्या यहां के लोग पाकिस्तानी हैं? ,पंचायत और नगर निगम के चुनाव में यूपी, असम, मध्य प्रदेश सहित देश के कई हिस्सों में आम आदमी पार्टी को समर्थन मिला। हमारे मेयर, पंच और सरपंच चुने गए, ऐसे में क्या देश के सभी लोग पाकिस्तानी हैं।

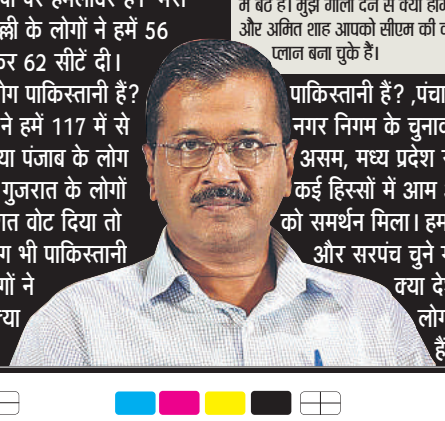

इंडिया गठबंधन को 300 से ज्यादा सीटें मिलेंगी : दिल्ली सीएम

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, कि जैसे जैसे चुनाव होते जा रहे हैं, वैसे वैसे साफ हो रहा है कि मोदी सरकार जा रही है। इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है। सर्वे की फाइंडिंग्स से साफ है कि 4 जून को इंडिया गठबंधन को 300 से ज्यादा सीटें मिलेंगी।

योगी जी के दुश्मन उनकी ही पार्टी में

सीएम केजरीवाल ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, कल योगी आदित्यनाथ ने भी मुझे गाली दी। मेरा कहना है कि आपके असली दुश्मन तो आपकी पार्टी में बैठे हैं। मुझे गाली देने से क्या होगा, पीएम मोदी और अमित शाह आपको सीएम की कुर्सी से हटाने का प्लान बना चुके हैं।

2027 में यूपी में एक धर्मनिरपेक्ष सरकार बनाएंगे : तिवारी

चंडीगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार मनीष तिवारी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर पलटवार किया है। वे (योगी आदित्यनाथ) स्वीकार कर चुके हैं कि मैं चुनाव जीत रहा हूं। उनकी बात सही है कि हम जरूर जहाज पकड़ेंगे, जहाज उत्तर प्रदेश का पकड़ेंगे और 2027 में वहां एक धर्मनिरपेक्ष सरकार बनाएंगे। यूपी का पैदल दौरा करेंगे, यात्रा करेंगे और यूपी के विकास का जो सच है वो लोगों के सामने उजागर करेंगे। मनीष तिवारी ने आगे कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि एक प्रदेश के मुख्यमंत्री ये बात नहीं करते हैं कि देश में महंगाई कितनी बढ़ी हुई है, हर तरफ त्राहि-त्राहि हो रही है, गृहणी के आंसू बह रहे हैं वो ये बात नहीं करते की देश में बेरोजगारी कितनी बढ़ी हुई है, 36 लाख सरकारी नौकरियां खाली क्यों हैं, वो ये बात नहीं करते हैं कि पिछले 10 वर्षों में आय में जो असामनता है वो कितनी बढ़ी है। कांग्रेस उम्मीदवार ने कहा, वो ये बात नहीं करते कि उनकी सरकार एक पूंजीपति गौतम अडानी के लिए काम के लिए काम करती है न कि 140 भारतवासियों के लिए. वो ये लोगों को नहीं बताते कि भारतीय जनता पार्टी ने पिछले 10 साल में चंडीगढ़ के लिए क्या किया और उसका जवाब ये है कि उन्होंने कुछ नहीं किया।

आप केजरीवाल पर फर्जी हमले की योजना बना रही : सचदेवा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में लोकसभा चुनाव से पहले सहानुभूति बटोरने के लिए आम आदमी पार्टी खुद अपने प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर हमला करवा सकती है। यह आरोप उस दिन आया जब आप नेता संजय सिंह ने भाजपा पर दिल्ली के मुख्यमंत्री पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग को अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा बढ़ानी चाहिए।

उन्होंने दावा किया कि संजय सिंह ने स्वाति मालीवाल पर एक भी शब्द नहीं बोला। सचदेवा ने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल पर उनकी ही पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने दो बार हमला किया था। उन्होंने दावा किया कि आप ने तय कर लिया है कि अरविंद केजरीवाल पर कब जूते फेंके जाएंगे।

'भाजपा को बहुमत हासिल नहीं करने देंगे'

» सत्तारूढ़ सरकार पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने किया वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी और 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया में काफी बदलाव आया है। गठबंधन के पक्ष में शांत लहर चल रही है जो लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बहुमत हासिल करने से रोकने में सफल रहेगी।

खरगे ने कहा कि लोग अब उनके समर्थन में और उस भाजपा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा के खिलाफ लड़ रहे हैं जो समाज में नफरत एवं विभाजन फैलाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि लोगों को लगता है कि यह लड़ाई अब लोकतंत्र और संविधान को बचाने की है और वे उनकी पार्टी को समर्थन दे रहे हैं।

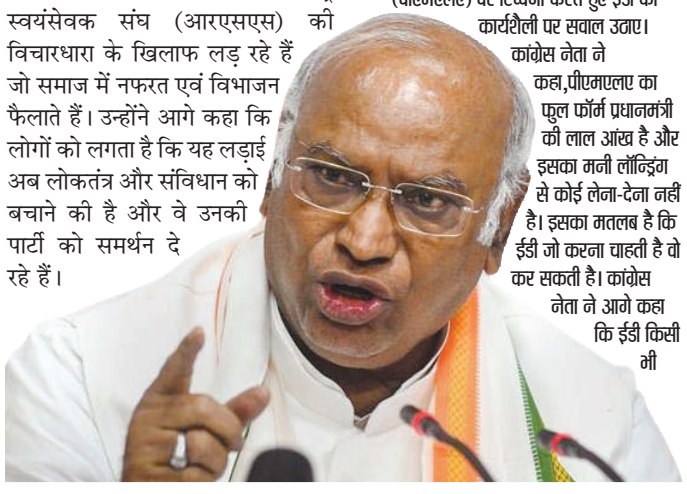

लोग उनका असली रंग समझ गए

कांग्रेस प्रमुख ने भाजपा पर राम मंदिर, हिंदू-मुस्लिम और भारत-पाकिस्तान के नाम पर लोगों को बार-बार भड़काने और उन्हें भावनात्मक रूप से लूटने का भी आरोप लगाया और दावा किया कि लोग अब उनका असली रंग समझ गए हैं।

हमारे पक्ष में एक शांत लहर चल रही

उन्होंने आगे कहा, 'देश भर में यात्रा करने के बाद हम यह महसूस कर रहे हैं कि हमारे पक्ष में एक 'शांत लहर' चल रही है। कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन के सहयोगियों को इस बार अधिक सीटें मिलेंगी। हम भाजपा को सत्ता में आने के लिए आवश्यक सीट हासिल करने से रोकने में सफल रहेंगे। मुझे लगता है कि भाजपा अपनी सरकार नहीं बना पाएगी।'

जनता भी हमारे लिए लड़ रही

उन्होंने कहा, 'केवल हम ही नहीं, बल्कि जनता भी हमारे लिए लड़ रही है। हम जिस विचारधारा को मानते हैं लोग उसका समर्थन कर रहे हैं और हमारे लिए लड़ रहे हैं। यह साफ है कि भाजपा पिछड़ जाएगी और हम आगे बढ़ेंगे।

पीएमएलए का मतलब प्रधानमंत्री की लाल आंख : सिब्बल

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) पर टिप्पणी करते हुए ईडी की कार्यशैली पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता ने कहा,पीएमएलए का फुल फॉर्म प्रधानमंत्री की लाल आंख है और इसका मनी लॉन्ड्रिंग से कोई लेना-देना नहीं है। इसका मतलब है कि ईडी जो करना चाहती है वो कर सकती है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि ईडी किसी भी मौखिक बयान के आधार पर किसी भी आरोपी को गिरफ्तार कर सकती है। कपिल सिब्बल ने आगे कहा कि अगर किसी को गिरफ्तार करवाना चाहते हैं तो किसी दूसरे व्यक्ति को ईडी से पास भेजकर उसके खिलाफ मौखिक तौर पर शिकायत दर्ज करवा दीजिए। मौखिक शिकायत के तौर पर ईडी किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लेती है। फिर कोर्ट में मामला अटका रहता है। कपिल सिब्बल ने आगे कहा,पीएमएलए के तहत किसी को गिरफ्तार करने का दूसरा तरीका यह है कि कहीं भी जमीन का टुकड़ा ढूंढा जाए, किसी के खिलाफ किसी का मौखिक बयान लिया जाए और फिर उस बयान के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया जाए, जिसका खुलासा आरोपी को भी नहीं किया जाता है।

विपक्षी नेताओं को बिना सबूत के गिरफ्तार कर रही एजेंसी

कपिल सिब्बल ने ईडी के कामकाज पर सवाल खड़े करते हुए कहा, यह सरकार की एक मजबूत शाखा है। इसका कानून प्रवर्तन से कोई लेना-देना नहीं है। (अरविंद) केजरीवाल, या (मनीष) सिसौदिया या (सत्येंद्र) जैन के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। कोई पैसे का लेन-देन नहीं है। कोई नहीं कहता कि कितना पैसा किसे दिया जाता है, कोई बैंक खाता या कुछ भी नहीं है, बस लोगों के मौखिक बयान पर उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

नीतीश कुमार का तन उधर तो मन इधर है: तेजस्वी

» बोले- चुनाव बाद फिर क्या होगा अभी कुछ नहीं कहा जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज लोकसभा क्षेत्र के महम्मदपुर में राजद नेता सह पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का तन उधर है, मन इधर है। चुनाव बाद फिर क्या होगा, इस पर अभी कुछ नहीं कहा जाएगा। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद मोदी पर भी जमकर जुबानी हमला किया।

राजद नेता ने प्रधानमंत्री को सबसे बड़ा झूठा बताते हुए कहा कि वे सिर्फ कहते हैं कि भाइयों-बहनों मोदी आएगा तो अच्छे दिन आएंगे, काला धन लाएंगे, प्रत्येक के खाते में पंद्रह लाख भेजेंगे। लेकिन दस वर्ष में सिर्फ जुमलेबाजी ही की। अब उनका नारा बदल गया है। अब सिर्फ हिंदू-मुस्लिम करके जनता को ठगने का काम कर रहे हैं। तेजस्वी ने दावा कर कहा कि 17 माह में मैंने पांच लाख नौकरियां दीं। विकास मित्र, टोला सेवक, तालीमी मरकज, आंगनबाड़ी, शिक्षा मित्र के मानदेय को दोगुना किया। गोपालगंज में सौ बेड का मेडिकल दिया, थावे मंदिर का जीर्णोद्धार कराया, झंझवा में ट्रामा सेंटर दिया। उन्होंने पूछा कि आपके सांसद ने पांच वर्षों में क्या किया। बदल रहे मौसम पर भी उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि अब तो मौसम भी बदल रहा है, सरकार बदलना तो जरूरी है।

भाजपा के सारे दावे 4 जून को खुद को माई-बाप समझने वालों को मिलेगा करारा जवाब: मोदी

» बिहार में तेजस्वी व अखिलेश पर जमकर भड़के प्रधानमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंपारन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव के लिए बिहार के पूर्वी चंपारण में प्रचार करने पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। इतना ही नहीं पीएम मोदी ने अखिलेश यादव के वाराणसी वाले बयान का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा, 4 जून को खुद को जनता का माई-बाप समझने वाले इन लोगों को जनता ऐसी करारी हार देगी कि दुनिया देखती रह जाएगी।

पीएम मोदी ने कहा, मैंने सुना है कि वहां कोई घूम घूम कर कह रहा है कि 4 जून के बाद मोदी को बेडरेस्ट होगा। मैं तो परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि देश का कोई नागरिक बेडरेस्ट न हो। जंगलराज के वारिस से और क्या अपेक्षा की जा सकती है। यूपी में इनके जोड़ीदार हैं, वो कह रहे हैं कि आखिरी समय है। दरअसल, अखिलेश यादव ने पीएम मोदी के वाराणसी दौरे पर कहा था, बहुत अच्छी बात है। (प्रधानमंत्री) एक महीना नहीं, दो महीना-तीन महीना वहीं रहें। अच्छी बात है। वो जगह रहने वाली है.आखिरी समय पर वहीं रहा जाता है बनारस में। पीएम मोदी ने आगे कहा कि 4 जून को हार सामने देख इंडी गठबंधन की बौखलाहट बढ़ती जा रही है। ये मोदी की योजनाओं पर सवाल उठा रहे हैं। मैं हिन्दुस्तान के अनेक जिलों में रात्री मुकाम कर के आया हूं। मैंने हिन्दुस्तान का कोना-कोना छाना हुआ है और मैंने तय किया है कि गरीब के घर का चूल्हा कभी बुझने नहीं दूंगा। रात में कोई बच्चा भूखा सोता है तो क्या होता है, उसका दर्द मुझे पता है। गरीब के परिवार में जब कोई मां बीमार हो जाती है तो वह कुछ नहीं बताती है। वह दर्द नहीं बताती है, मोदी हर मां की भावना को समझता है, मोदी तो गरीब की सेवा के लिए ही तो पैदा हुआ है। मोदी गरीब के लिए ही तो काम करेगा। देश में भ्रष्टाचार पर, तुष्टिकरण की राजनीति पर, ये प्रहार होगा टुकड़े टुकड़े गैंग पर, ये प्रहार होगा सनातन को गाली देने वाली विकृत मानसिकता पर, ये प्रहार होगा।

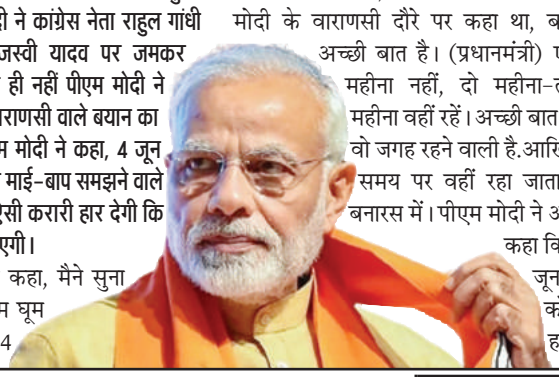

खोखले: उमर अब्दुल्ला

» बोले- पर्यटकों की जान खतरे में न डाले सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला ने कहा, भाजपा के नेता कई दावे करते हैं करते हैं, लेकिन उनके एक भी दावे सही होते तो वे घाटी में अपने उम्मीदवार मैदान में उतारते। नेकां को हराने के लिए बी और सी टीमों का सहारा नहीं लेते।

उमर अब्दुल्ला बारामुला से जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (जेकेपीसी) के प्रमुख सज्जाद लोन और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के उम्मीदवार मीर मोहम्मद फैयाज के खिलाफ मैदान में हैं। जेल में बंद निर्दलीय उम्मीदवार अब्दुल रशीद शेख भी मैदान में हैं।भाजपा जम्मू-कश्मीर की तीन लोकसभा सीट श्रीनगर, बारामुला और अनंतनाग में से किसी से भी चुनाव नहीं लड़ रही है। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। उन्होंने कहा,मैं हमेशा से कहता रहा हूं कि बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं और स्थिति सामान्य है जैसे दावे करना अच्छा नहीं है। ऐसा करके हम पर्यटकों की जान खतरे में डालते हैं। अगर पर्यटकों को सुरक्षा नहीं दी जा सकती तो हमें इससे बचना चाहिए।

लोकतंत्र में सबसे बड़ी ताकत मतदान

अब्दुल्ला ने लोगों को मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह बारामुला लोगों से अपील करते हैं कि लोग अपने घरों से बाहर आएं और मतदान करें। उन्होंने कहा, अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में यह पहला लोकसभा चुनाव है। मुझे उम्मीद है कि लोग अपने वोटों का इस्तेमाल करेंगे। लोकतंत्र में सबसे बड़ी ताकत लोगों की आवाज और लोगों के वोट हैं। मैं बारामूला के लोगों से अपील करता हूं कि वे बाहर आएं और अपना वोट डालें। दक्षिण कश्मीर में हुए दो आतंकी हमले से जुड़े सवाल के जवाब में उमर अब्दुल्ल ने कहा कि घाटी में हालात सामान्य नहीं है। सरकार के दावे खोखले हैं। नेकां नेता ने कहा कि किसी को यह दावा करने से हमेशा बचना चाहिए कि कश्मीर में सामान्य स्थिति है।

कल तक मैं लेडी सिंघम थी और आज बीजेपी एजेंट बन गई हूं: मालीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मालीवाल ने एक्स की पोस्ट में कहा, दिल्ली के मंत्री झूठ फैला रहे हैं कि मेरे खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है, इसलिए मैंने बीजेपी के निर्देश पर यह सब किया। पूर्व दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने दिल्ली के मंत्रियों और आम आदमी पार्टी के नेताओं पर अपनी कार के नंबरों का उपयोग करके उनके रिश्तेदारों की निजी जानकारी ट्वीट करके उनकी जान खतरे में डालने का आरोप लगाया है।

मालीवाल ने एक्स को संबोधित करते हुए दिल्ली के मंत्रियों की आलोचना की कि उन्होंने उन्हें सिर्फ इसलिए ट्रोल किया क्योंकि उन्होंने सच बोला था। उन्होंने आगे कहा कि आप नेता जिस एफआईआर के बारे में बात कर रहे हैं, वह आठ साल पहले 2016 में दर्ज की गई थी, जिसके बाद मुख्यमंत्री और एलजी दोनों ने उन्हें दो बार महिला आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया। उन्होंने कहा कि मामला पूरी तरह से फर्जी है जिस पर माननीय उच्च न्यायालय ने 1.5 वर्ष तक रोक लगा रखी है, जिसने स्वीकार किया है कि कोई पैसे का लेन-देन नहीं हुआ है।

कम मतदान, क्या हो रहा सत्ता का प्रस्थान!

जब-जब मतदान प्रतिशत में कमी आई है, तब 4 बार सरकार बदली

- पिछले 12 में से 5 चुनावों में मतदान प्रतिशत में गिरावट
- वहीं एक बार सत्ताधारी दल की वापसी हुई
- पांचवें चरण सबसे ज्यादा दबाव बीजेपी पर
- 49 सीटों में से 40 पर भाजपा के सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेताओं की इतनी अपील, निर्वाच आयोग की लोकलुभावन वादे पर! वोटिंग के प्रतिशत पर कोई खास इजाफा नहीं हुआ। पिछले चारण में वेटिंग साल 2019 की अपेक्षा कम ही हुई। अब एकबार फिर कम मतदान ने चुनाव अयोग को तो चिंतित कर ही दिया है इससे सबसे बड़ा टेंशन नेताओं व सियासी दलों में बढ़ गई। पांचवें चरण में धीमी वोटिंग की रफ्तार से कोई समझ ही नही पा रहा की इसका प्रहार किसको पड़ेा। हालांकि सुबह-सुबह बूथों पर लगी कतारें उत्साह भर रहीं थी पड़ जैसे-जैसे दोपहर बढ़ती गई वोटिंग गिरती गई। कुछ इसका कारण गर्मी को बता रही।

वहीं सियासी दल अपने-अपने पक्ष में वोट को जाता हुआ बता रहे हैं। सत्ता में बैठी बीजेपी कह रही है जनता हमारे पक्ष में वोट कर रही और विपक्ष के वोटर नहीं निकल रहे जबकि विपक्ष कह रहा है जनता मोदी सरकार से परेशान है इसलिए जो भी मतदाताओं की खेप आ रही है वह सरकार के खिलाफ वोट देकर जा रही है। अब सभी दावों की कलई तो 4 जून का ही खुलेगी। उधर चुनाव के दौरान मतदाताओं के मूड को समझना आसान नहीं होता, क्योंकि इसमें कई फेक्टर काम करते हैं। लेकिन कम वोटिंग प्रतिशत को आमतौर पर सत्ता पक्ष के विरूद्ध देखा जाता है। पिछले 12 में से 5 चुनावों में मतदान प्रतिशत में गिरावट देखने को मिले है। जब-जब मतदान प्रतिशत में कमी आई है, तब 4 बार सरकार बदल गयी है। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा समेत 8 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की 49 लोकसभा सीट पर वोटिंग हुई। इस चरण में भाजपा नीत राजग के इन 49 लोकसभा सीट में से 40 पर वर्तमान में सांसद है, लोकसभा चुनाव के पहले चार चरणों में क्रमश: 66.14 प्रतिशत, 66.71 प्रतिशत, 65.68 प्रतिशत और चौथे चरण में 69.16 प्रतिशत मतदान हुआ है। कम वोटिंग प्रतिशत को लेकर राजनीति पार्टियां अलग-अलग आकलन कर रही हैं। भाजपा कह रही है कि कम वोटिंग प्रतिशत के बावजूद उनको लाभ होने जा रहा है, वहीं, विपक्षी दल कम वोटिंग प्रतिशत को अपने पक्ष में मान रहे है।

2019 लोकसभा चुनाव से कम रहा है मतदान प्रतिशत

लोकसभा चुनाव 2024 के पहले फेज की वोटिंग में 65.5 प्रतिशत वोट डाले गए थे। दूसरे फेज में 66.00 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। वहीं, तीसरे चरण में 65.68 प्रतिशत मतदान हुआ और चौथे चरण में 69.16 प्रतिशत मतदान हुआ। अगर 2019 के मुकाबले तीनों चरणों में इस बार कम वोटिंग हुई है। चौथे दौर में जिन 96 सीटों पर मतदान हो रहा है उनमें 2019 में 69.12 प्रतिश मतदान हुआ था। इसके अलावा 2019 लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 69.96 प्रतिशत, दूसरे चरण में 70.09 प्रतिशत और तीसरे चरण में 66.89 फीसदी और चौथे चरण में 69.12 मतदान हुआ था।

1980 के चुनाव में मतदान प्रतिशत में गिरावट से हट गई थी सरकार

1980 के चुनाव में मतदान प्रतिशत में गिरावट हुई थी और जनता पार्टी की सरकार सत्ता से हट गयी। जनता पार्टी की जगह कांग्रेस की सरकार बन गयी थी। वहीं 1989 में एक बार फिर मत प्रतिशत में गिरावट दर्ज की गयी और कांग्रेस की सरकार चली गयी थी. विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी थी। 1991 में एक बार फिर मतदान में गिरावट हुई और केंद्र में कांग्रेस की वापसी हो गयी। 1999 में मतदान में गिरावट हुई लेकिन सत्ता में परिवर्तन नहीं हुआ। वहीं 2004 में एक बार फिर मतदान में गिरावट का फायदा विपक्षी दलों को मिला था। हालांकि, राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस बार ऐसा देखने को नहीं मिलेगा।

मतदाताओं का मूड समझना हो रहा कठिन

चुनाव के दौरान मतदाताओं के मूड को समझना आसान नहीं होता, क्योंकि इसमें कई फेक्टर काम करते हैं। लेकिन कम वोटिंग प्रतिशत को आमतौर पर सत्ता पक्ष के विरूद्ध देखा जाता है। पिछले 12 में से 5 चुनावों में मतदान प्रतिशत में गिरावट देखने को मिले है। जब-जब मतदान प्रतिशत में कमी आई है, तब 4 बार सरकार बदल गयी है। वहीं एक बार सत्ताधारी दल की वापसी हुई है।

सुबह रही तेजी शाम आते-आते पड़ी धीमे

लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण के तहत जो चनाव चल रहे हैं। सुबह से जो पैटर्न मिल रहा था उसमें सबह तेजी मतदान शुरू हुआ जबकि दोपहर आते-आते वोटिंग की रफ्तार कम होने लगी । देश के 8 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर 5 बजे तक 24 प्रतिशत के लगभग (56.66 प्रतिशत) मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके हैं। मतदान के राज्यवार आंकड़ों की बात करें तो, 11 बजे तक सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 32.70 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई है, वहीं सबसे कम मतदान महाराष्ट्र में दर्ज किया गया है जहां 11 बजे तक सिर्फ 15.93 प्रतिशत मतदाताओं ने ही वोट किया। वहीं पांचवें चरण के चुनाव में सुबह 9 बजे तक 10.28 फीसद मतदान दर्ज़ किया गया। उत्तर प्रदेश में 12.89 फीसद , बिहार में 8.86 फीसद , जम्मू और कश्मीर में 7.63 फीसद झारखंड में 11.68 फीसद , लद्दाख 10.51फीसद , महाराष्ट्र में 6.33 प्रतिशत, ओडिशा में 6.87 प्रतिशत, और पश्चिम बंगाल में 15.35 प्रतिशत मतदान

शुरुआती दो घंटों में दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली, अमेठी और लखनऊ सीट पर सबकी नजरें बनी हुई हैं, जिन पर क्रमश: राहुल गांधी, स्मृति ईरानी और राजनाथ सिंह जैसे दिग्गज चुनाव लड़ रहे हैं। लोकसभा के पांचवें चरण में उत्तर प्रदेश में 14 सीट पर सोमवार सुबह नौ बजे तक 12.89 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। निर्वाचन आयोग के अनुसार, सुबह नौ बजे तक अमेठी में 13.45 प्रतिशत, बांदा में 14.57 प्रतिशत, बाराबंकी में 12.73 प्रतिशत, फैजाबाद में 14 प्रतिशत, फतेहपुर में 14.28 प्रतिशत, गोंडा में 9.55 प्रतिशत, हमीरपुर में 13.61 प्रतिशत, जालौन में 12.80 प्रतिशत, झांसी में 14.26 प्रतिशत, कैसरगंज में 13.04 प्रतिशत, कौशांबी में 10.49 प्रतिशत, लखनऊ में 10.39 प्रतिशत, मोहनलालगंज में 13.86 प्रतिशत और रायबरेली में 13.60 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहीं लखनऊ पूर्व विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए 10.88 प्रतिशत वोट पड़े थे।

यूपी में भी मतदाता उदासीन

पांचवें चरण में यूपी की 14 लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ। 2019 की अपेक्ष। इसबार कम कम मतदान हुआ। निर्वाचन आयोग के आंकड़े पूरी तरह से रात में ही स्पष्ट हो पाए। पर जितने भी समय तक वोटिंग हुई है उसके आधार पर तो ऐसा ही लग रहा है कि लोग उदासीन है। ये उदासीनता किसको लाभ देगा और किसको नुकसान ये तो लोक सभा चुनावों के परिणाम से ही पता चलेगा। इस चरण में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, केंद्रीय मंत्री स्मृति जूबिन इरानी, कौशल किशोर, निरंजन ज्योति और दिनेश प्रताप सिंह सहित 144 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला हो रहा है। इससे पहले उत्तर प्रदेश में 57.98, अमेठी सीट पर 54.40, कैसरगंज सीट पर 55.68, कौशांबी सीट पर 52.79 फीसदी मतदान हो चुका था। जबकि गोंडा सीट पर 51.64 ,जालौन सीट पर 56.15,झांसी सीट पर 63.70 ,फतेहपुर सीट पर 57.05 ,फैजाबाद लोकसभा सीट पर 59.10 ,बांदा लोकसभा सीट पर 59.64 फीसदी मतदान पड़ चुके थे। वहीं बाराबंकी लोकसभा सीट पर 67.10,हमीरपुर सीट पर 60.56, मोहनलालगंज लोकसभा सीट पर 62.72 फीसदी मतदान हो चुका था। सबसे हाट सीट रायबरेली लोकसभा सीट पर 58.04 प्रतिशत मतदान डाला जा चुका था। वहीं राजधानी लखनऊ सीट पर 52.23 प्रतिशत वोटिंग हुई।

पश्चिम बंगाल में दिखी तेजी

पूरे देश में पश्चिम बंगाल की सात लोकसभा सीट पर वोटिंग में तेजी देखी गई। शाम तक 73 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। आरामबाग (आरक्षित) संसदीय क्षेत्र में सबसे अधिक 55.37 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि उलुबेराय में 52.79 प्रतिशत, हुगली में 50.50 प्रतिशत, श्रीरामपुर में 47.75 प्रतिशत, हावड़ा में 44.71 प्रतिशत, बनगांव (आरक्षित) में 44.15 प्रतिशत और बैरकपुर में 42.47 प्रतिशत मतदान हुआ। उन्होंने बताया कि अपराह्न 1.15 बजे तक पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन कार्यालय (सीईओ) को चुनाव संबंधी 1,399 शिकायतें प्राप्त हुईं।मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और शाम छह बजे तक जारी रहेगा। इस चरण में कुल 1,25,23,702 मतदाता मताधिकार का इस्तेमाल करने के पात्र हैं जिनमें 63,51,320 पुरुष, 61,72,034 महिलाएं और 348 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इन सात लोकसभा सीट के लिए 13,481 मतदान केंद्रों पर मतदान हो रहा है। निर्वाचन आयोग ने 57 प्रतिशत से अधिक मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया है। करीब 30 हजार पुलिसकर्मियों के अलावा 60 हजार से अधिक केंद्रीय बल कर्मियों को तैनात किया गया है। राज्य की सात लोकसभा सीट पर कुल 88 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें सबसे ज्यादा 15 उम्मीदवार बनगांव से मैदान में हैं। बनगांव लोकसभा सीट पर केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर और तृणमूल कांग्रेस के विश्वजीत दास के बीच मुकाबला है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

न हो आमजन की जान से खिलवाड़!

अब भारत में कोवैक्सीन पर बीएचयू के नए शोध ने टीकाकरण पर सवालिया निशान लगा दिया है। हालांकि आईसीएमआर ने इस पर आपत्ति जताई है। खैर बात कुछ हो पर यह रिसर्च हैरान करने वाला है। दरअसल, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के रिसर्च में दावा किया गया है कि भारत बायोटेक के कोविड रोधी टीके कोवैक्सीन लगवाने वाले लगभग एक-तिहाई व्यक्तियों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ा है।

कोरोना के गए लगभग दो साल हो गए हैं। हालांकि समय-समय पर उसके कुछ वैरिएंट दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में उभर आते है। पर इन सबसे अलग भारत में ये और डरावना रुप लेता जा रहा है। अभी ब्रिटेन में कोविशील्ड को लेकर गंभीर बाते सामने आई थी जिसके बाद उसको बाजार से हटा लिया गया। अब भारत में कोवैक्सीन पर बीएचयू के नए शोध ने टीकाकरण पर सवालिया निशान लगा दिया है। हालांकि आईसीएमआर ने इस पर आपत्ति जताई है। खैर बात कुछ हो पर यह रिसर्च हैरान करने वाला है। दरअसल, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के रिसर्च में दावा किया गया है कि भारत बायोटेक के कोविड रोधी टीके कोवैक्सीन लगवाने वाले लगभग एक-तिहाई व्यक्तियों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। रिपोर्ट के सामने आने के बाद अब भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के प्रोफेसर को चेतावनी दी है। स्टडी में शामिल दो प्रोफेसर से आईसीएमआर ने पूछा क्यों न आपके खिलाफ कानूनी और प्रशासनिक कारवाई की जाए।

बीएचयू के फार्माकोलॉजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर उपिंदर कौर और जियाट्रिक मेडिसिन के प्रमुख डॉक्टर सांघा सुभ्रा चक्रवर्ती से जवाब मांगा गया है। भारत बायोटेक की तरफ से डेवलप्ड कोरोना की वैक्सीन कोवैक्सीन को लेकर बीएचयू ने स्टडी की थी। बीएचयू की स्टडी को स्प्रिंगर नेचर ने छापा था, जिसमें कोवैक्सीन टीके से भी दिक्कत की बात निकलकर सामने आई थी। ये स्टडी 926 लोगों पर की गई थी जिसमें 50प्रतिशत लोगों ने टीके के बाद इन्फेक्शन की बात कही थी। इस स्टडी में 635 किशोर और 291 व्यस्क लोगों को शामिल किया गया था। इसमें टीके के बाद आई समस्याओं के तौर पर बताया गया था। आईसीएमआर ने न्यूजीलैंड स्थित ड्रग सेफ्टी जर्नल के संपादक को पत्र लिखा है कि वह बीएचयू के लेखकों द्वारा हाल ही में प्रकाशित कोवैक्सिन साइड इफेक्ट्स अध्ययन को वापस ले ले क्योंकि पेपर में शीर्ष अनुसंधान निकाय का नाम गलत और भ्रामक रूप से दिया गया है। बिना अनुमति के इसी तरह के पिछले पेपरों में भी आईसीएमआर का नाम दिया है। उन्होंने अध्यन के लेखकों से स्पष्टीकरण भी मांगा कि आईसीएमआर को उनके खिलाफ कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई क्यों नहीं करनी चाहिए। हालांकि देखा जाए तो ये कोई हल्की-फुल्की बात नहीं है। इस तरह के मामलों को सरकार को संज्ञान लेकर गंभीरता से जांच करनी चाहिए क्योंकि ये आम लोगों की जान से जुड़ा मामला है। ऐसे खिलवाड़ करने का किसी को हक नहीं हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण ही समाधान

ज्ञानेन्द्र रावत

दुनिया में पेयजल की समस्या दिनों दिन गहराती चली जा रही है। इसके बावजूद हम पेयजल को बचाने और जल संचय के प्रति अपेक्षा अनुरूप गंभीर नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि 2025 में दुनिया की चौदह फीसदी आबादी के लिए जल संकट बहुत बड़ी समस्या बन जायेगा। इंटरनेशनल ग्राउंड वॉटर रिसोर्स असेसमेंट सेंटर के अनुसार पूरी दुनिया में आज 270 करोड़ लोग ऐसे हैं जो एक वर्ष में तकरीबन तीस दिन तक पानी के संकट का सामना करते हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानें तो अगले तीन दशक में पानी का उपभोग यदि एक फीसदी की दर से भी बढ़ेगा, तो दुनिया को बड़े जल संकट से जूझना पड़ेगा। जगजाहिर है कि जल का हमारे जीवन पर प्रत्यक्ष तथा परोक्ष प्रभाव पड़ता है। यह भी कि जल संकट से एक ओर कृषि उत्पादकता प्रभावित हो रही है, दूसरी ओर जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य पर भी खतरा बढ़ता जा रहा है।

विश्व बैंक का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के चलते पैदा हो रहे जल संकट से 2050 तक वैश्विक जीडीपी को छह फीसद का नुकसान उठाना पड़ेगा। दुनिया में दो अरब लोगों को यानी 26 फीसदी आबादी को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है। पूरी दुनिया में 43.6 करोड़ और भारत में 13.38 करोड़ बच्चों के पास हर दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है। यूनीसेफ की रिपोर्ट कहती है कि 2050 तक भारत में मौजूद जल का 40 फीसदी हिस्सा खत्म हो चुका होगा। एशिया की 80 फीसदी आबादी खासकर पूर्वोत्तर चीन, पाकिस्तान और भारत इस संकट का भीषण सामना कर रहे हैं। आशंका है कि भारत इसमें सर्वाधिक प्रभावित देश होगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शुद्ध पेयजल से जूझने वाली वैश्विक शहरी आबादी 2016 के 93.3 करोड़ से बढ़कर 2050 में 1.7 से 2.4 अरब होने की आशंका है। ग्लोबल कमीशन ऑन इकोनॉमिक्स ऑफ वॉटर की रिपोर्ट कहती है कि साल 2070 तक 70 करोड़ लोग जल आपदाओं के कारण विस्थापित होने को विवश होंगे।

गौरतलब है दुनिया में दो अरब लोग दूषित पानी का सेवन करने को विवश हैं और हर साल जलजनित बीमारियों से लगभग 14 लाख लोग बेमौत मर जाते हैं। दुनिया में बहुतेरे विकसित देशों में लोग नल से सीधे ही साफ पानी पीने में सक्षम हैं। लेकिन हमारे देश में आजादी के 77 साल बाद

भी ऐसा मुमकिन नहीं। केन्द्र और राज्य सरकारें घरों में नल के माध्यम से पीने योग्य पानी की आपूर्ति का दावा करती हैं। हकीकत यह है कि आज भी 5 फीसदी लोग बोतलबंद पानी खरीद रहे हैं। जबकि जल जीवन मिशन ने 2024 तक हर घर में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा था। यह मिशन और स्थानीय निकाय के जलदाय विभाग की नाकामी है जिसके चलते हर महानगर, शहर - कस्बे में छोटे-छोटे सैकड़ों वाटर बॉटलिंग प्लांट चल रहे हैं जो घर-घर 20-20 रुपये में पानी की बोतल पहुंचा कर लोगों की प्यास बुझा रहे हैं। यदि सभी को शुद्ध पेयजल मुहैया कराना सरकार की मंशा है तो उसे प्राकृतिक जल स्रोतों पर ध्यान देना होगा। इस तथ्य को सरकार भी नजरअंदाज नहीं कर सकती कि देश के सभी जलस्रोत संकट में हैं। तालाब, पोखर, जलाशय बेरुखी के चलते बर्बादी के कगार पर हैं। देशभर में करीब कुल 24,24,540 जल स्रोत हैं। जिनमें से 97 फीसदी ग्रामीण क्षेत्रों में व केवल 2.9 फीसदी शहरी क्षेत्र में हैं। 45.2 फीसदी जल स्रोतों की कभी मरम्मत भी नहीं हुई। इनमें 16.3 फीसदी जल स्रोत इस्तेमाल में ही नहीं हैं। देश में हजारों जल स्रोतों पर कब्जा है। 55.2 फीसदी जलस्रोत निजी संपत्ति है और 44.5 फीसदी जलस्रोत सरकार के आधिपत्य में हैं। देश में जलस्रोतों की हालत बहुत ही दयनीय है। कहीं वह सूखे हैं, कहीं निर्माण कार्य होने से इस्तेमाल में नहीं हैं, कहीं मलबे से भरे हैं। इनकी बदहाली में सबसे बड़ा कारण उनका सूखना, सिल्ट जमा होना, मरम्मत के अभाव में टूटते चला जाना है। प्राकृतिक जल स्रोतों तथा नदी, तालाब, झील, पोखर, कुओं के प्रति सरकारी और सामाजिक उदासीनता एवं भूजल जैसे प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन ने स्वच्छ जल का गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। यदि सबको पीने का शुद्ध जल मुहैया कराना है तो प्राकृतिक जलस्रोतों पर ध्यान देना होगा।

वर्ल्ड वॉटर रिसोर्स इंस्टिट्यूट की मानें तो देश को हर साल करीब तीन हजार बिलियन क्यूबिक मीटर पानी की जरूरत होती है। जबकि बारिश से भारत को अकेले 4000 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी मिलता है। भारत सिर्फ आठ फीसदी बारिश के जल का ही संचयन कर पाता है। यदि बारिश के पानी का पूर्णतया संचयन कर दिया जाये तो काफी हद तक जल संकट का समाधान हो सकता है। जल शक्ति अभियान के अनुसार देश में बीते 75 सालों में पानी की उपलब्धता में तेजी से कभी आई है। वर्ष 1947 में हमारे यहां प्रति व्यक्ति सालाना पानी की उपलब्धता 6042 क्यूबिक मीटर थी जो 2021 में 1486 क्यूबिक मीटर रह गयी।

शादी के आधे-अधूरे विकल्पों का मोह

क्षमा शर्मा

अपने देश में विवाह आज भी एक महत्वपूर्ण संस्था है। बदले वक्त ने इसे अरबों के बाजार में भी तब्दील कर दिया। मंगनी से लेकर हल्दी, मेहंदी, प्रि-वैडिंग, प्रि-वैडिंग शूट और भी न जाने कौन-कौन से फंक्शन हर दिन जुड़ते चले जा रहे हैं। ये तब है जब विवाह बड़ी संख्या में टूट रहे हैं। हाल ही में एक खबर ने चौंकाया था कि चूंकि पति पत्नी के लिए कुरकुरे लाना भूल गया तो वह नाराज होकर मैके चली गई और वहां से तलाक के कागजात भिजवा दिए। लेकिन फिर भी शादी के अनाप-शनाप खर्चे बढ़ते जा रहे हैं। ऐसी भी खबरें आती हैं कि शादी के लिए युवा बहुत बड़ी-बड़ी रकमों का लोन लेते हैं और लम्बे समय तक उसे चुकाते रहते हैं। बीच में शादी टूट गई तो दूसरी आफतें अलग से। इसी बदले वक्त ने विवाह के नाम पर कुछ प्रयोग भी सिखाए हैं, जिन्हें विवाह नहीं कहा जाता।

जैसे कि बहुत से जोड़े तमाम किस्म की जिम्मेदारी से बचने के लिए लिव-इन में रहना पसंद करते हैं। वे कहते भी हैं कि जब तक मन करे साथ रहो, जब रिश्ता न चले तो अलग हो जाओ। किसी भी तरह की कानूनी प्रक्रिया और भाग-दौड़ की जरूरत नहीं। लेकिन लिव-इन के रिश्ते जब टूट जाते हैं तो आज भी लड़कों के मुकाबले लड़कियों को इसकी आफत को ज्यादा झेलना पड़ता है। कई परिचित लड़कियों के साथ ऐसा होते देखा है। पश्चिमी देशों की तरह अब यहां साथी के लिए पार्टनर जैसे शब्द भी इस्तेमाल होने लगे हैं। पश्चिमी देशों में तो बाकायदा पार्टनर के साथ रहने के लिए एक कानूनी प्रक्रिया होती है। यदि ऐसे रिश्ते से बच्चे हैं तो उनकी जिम्मेदारी कैसे उठाई जाएगी। स्त्री-पुरुष और बच्चों के क्या अधिकार होंगे। इसी तरह उत्तराधिकारी का निर्णय कैसे होगा। सम्पत्ति किस तरह बंटेगी। यदि रिश्ता न चला तो किसका क्या अधिकार होगा। हर बात की लिखित कार्यवाही होती है। अपने यहां पार्टनर के साथ रहने की भी कुछ शर्तें हैं या नहीं, ये पता नहीं है। कायदे से बदले वक्त के साथ अगर युवा इस तरह के रिश्तों में जा रहे हैं तो इन पर नैतिकतावादी विचार लादने के मुकाबले इन सम्बंधों के लिए भी अलग से कानून बनने चाहिए।

वैसे दुनियाभर में कहा जा रहा है कि अकेलापन सबसे बड़ी महामारी के रूप में बढ़ रहा है। इसका बड़ा कारण परिवार का न होना है। ऐसा होता दिख भी रहा है। लेकिन यह बात तब तक शायद ही समझ में आती है जब तक हम युवा होते हैं। उम्र बढ़ने पर जब किसी सहारे की जरूरत होती है, तो आसपास कोई नहीं दिखता। जिन विचारों की लौ जलाए रखने के लिए परिवार से दूर हुए वे लौ भी बुझ चुकी होती हैं। आसपास कोई सुनने वाला तक नहीं होता। ऐसे लोग इन दिनों अपने देश में भी खूब दिखते हैं जो अस्सी-पचासी साल में अकेले रहते हैं। या वृद्धाश्रमों की शरण लेते हैं। इनमें से बहुतों को परिवार की उपेक्षा के कारण इन स्थानों पर जाना पड़ता है। लेकिन बहुत से ऐसे भी होते हैं जिनका कोई परिवार ही नहीं है। ऐसे कई लोगों को आसपास देखती हूं, जिन्होंने परिवार नहीं बसाया। ये अक्सर अकेले आते-जाते और बैठे दिखाई देते हैं। और अक्सर आते-जातों को आशा भरी नजरों से देखते हैं कि कोई तो हो जो कुछ देर पास बैठकर हाल-चाल पूछ ले।

इन्हीं प्रसंगों में पिछले दिनों, जापान के बारे में एक खबर पढ़ी कि वहां फ्रेंडशिप मैरिज का चलन बढ़ रहा है तो इस बारे में जानने की जिज्ञासा हुई। इस बारे में पढ़ने लगी। यहां बताते चलें कि जापान का समाज अकेलेपन की वजह से लगभग तबाही की स्थिति में है। अधिकांश लोग अकेले रहते हैं। युवा विवाह नहीं करना चाहते। जिनका विवाह हुआ है वे बच्चे नहीं चाहते। इसीलिए वहां सरकार युवाओं को परिवार बसाने और बच्चे पैदा करने के लिए तरह-तरह के फायदे देने की बात भी करती है, मगर वहां लोग शादी ही नहीं करना चाहते। इसीलिए फ्रेंडशिप मैरिज के बारे में जानने की जिज्ञासा और बढ़ी। जितना पढ़ती गई हैरान होती गई। इस तरह के विवाह में दम्पति के बीच में किसी तरह का भावनात्मक या शारीरिक रिश्ता नहीं होता है। इस तरह की शादियों की संख्या जापान में दिन पर दिन बढ़ रही है। ऐसे लोगों के बारे में बताया जाता है कि या तो वे होमो सेक्सुअल हैं या हीट्रोसेक्सुअल। वहां लोग पारंपरिक विवाह से दूर हो रहे हैं। कोलोरस नाम की एजेंसी इस तरह के विवाह कराती है। अब तक सैकड़ों विवाह करा चुकी है। ऐसे दम्पति बच्चे भी पालते हैं। ये लोग या तो सरोगेसी का सहारा लेते हैं अथवा बच्चे गोद ले लेते हैं। कानूनी रूप से पति- पत्नी होते हैं लेकिन किसी भी तरह का रिश्ता इनके बीच में नहीं होता है। ये जोड़े इस शादी से बाहर किसी और से, अपने मनपसंद व्यक्ति से भी सम्बंध रख सकते हैं।

शादी से पहले ये युवा आपस में सारे मसलों पर बातचीत करते हैं। एक ऐसे जोड़े ने कहा कि फ्रेंडशिप मैरिज का मतलब सरल शब्दों में ये है कि एक जैसी रुचियों वाले रूममेट को पाना। एक लड़की ने कहा कि मैं किसी की अच्छी प्रेमिका नहीं हो सकती, न मैं अच्छी पत्नी बन सकती हूं, लेकिन मैं अच्छी दोस्त हो सकती हूं। इसीलिए मैं किसी ऐसे दोस्त की तलाश में थी, जिसकी रुचियां मुझसे मिलती हों। हम एक-दूसरे से हर विषय पर बात कर सकें। एक-दूसरे के साथ से आनंदित हो सकें। जब ऐसा व्यक्ति मिला तो मैंने फ्रेंडशिप मैरिज के बारे में सोचा। ऐसी शादियां वे जोड़े चुन रहे हैं, जिनकी आय अच्छी खासी है और वे किसी रिश्ते के मुकाबले एक अच्छे साथी की तलाश में हैं। इस तरह की शादी के विशेषज्ञ एक वकील ने इसे परिभाषित करते हुए कहा- वे जो दोस्त अच्छे हैं, लेकिन लवर्स नहीं हैं।

हड्डियों और कब्ज में लाभदायक

गुड़ और चने में कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है जो हड्डियों के लिए बहुत लाभदायक होता है। गुड़ और चने के नियमित सेवन से हड्डियां भी स्ट्रॉन्ग होती हैं। इसके सेवन से हड्डियों से जुड़ी बीमारियों से राहत मिलता है। ऐसे में खासकर 30 की उम्र पार चुके लोगों को इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। गुड़ और चने में मौजूद कैल्शियम और मैग्नेशियम हड्डियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रेगा। गुड़ और चने में फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है जो पाचन शक्ति को ठीक रखता है और कब्ज, गैस, एसिडिटी की समस्या से राहत दिलाता है। पेट की कब्ज की समस्या से परेशान है तो भुना चना खाएं। सुबह खाली पेट भुना चना खाने से कब्ज की समस्या से राहत मिल सकती है। इससे डाइजेशन भी अच्छी रहती है. इसके सेवन से पेट से जुड़ी कई और समस्याओं की छुट्टी हो जाती है। एक्सपर्ट्स भी इसे डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं।

मोटापा

यदि आप मोटापे को कम करना चाहते हैं तो गुड़ और चना आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है। कई लोग वजन कम करने के लिए जिम जाकर एक्सरसाइज करते हैं। उन्हें गुड़ और चना का सेवन करना चाहिए। क्योंकि गुड़ और चने एक साथ खाने से शरीर का मेटाबॉलिज्म आता है जो मोटापा को कम करने में मददगार होता है। इसे खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इससे बार-बार खाने से बच जाते हैं। जिससे पाचन शक्ति मजबूत बनी रहती है। चना फाइबर और प्रोटीन से भरपूर है। इसमें कैलोरी कम होती है। यह तेजी से वजन कम करता है। इससे भूख कंट्रोल होता है और पेट की चर्बी कम होती है। चने के छिलके में फाइबर काफी कम मात्रा में मिलता है। चने के साथ उसके छिलकों को खाना फायदेमंद होता है। अगर आप मिड टाइम स्नैक्स में कुछ खाते हैं तो दूसरे स्नैक्स की बजाय चने का सेवन करे। रोस्टेड चना आपकी बॉडी में फैट जमा नहीं होने देता।

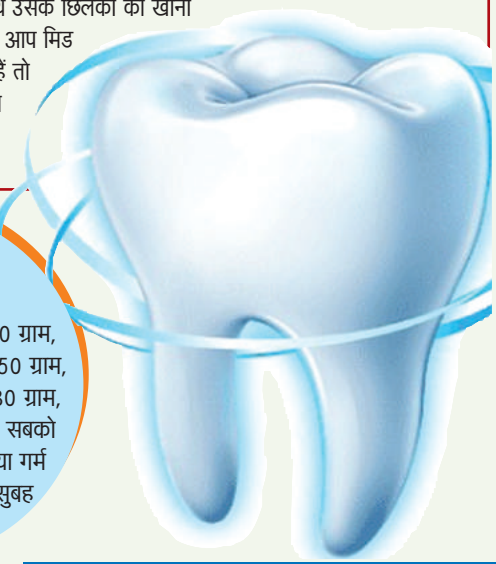

भुना चना खाने से मसल्स होंगे मजबूत

भुने चने खाने से हमारे शरीर को बहुत लाभ होता है। वहीं जब भुने चने के साथ गुड़ का सेवन किया जाता है तो इसका फायदा कई गुना अधिक हो जाता है। खासकर पुरुषों के लिए इसे खाना काफी फायदेमंद होता है। अक्सर पुरुष बॉडी बनाने के लिए जिम जाकर घंटों पसीने बहाते हैं। ऐसे में उन्हें गुड़ और चने का सेवन करना चाहिए। इसके सेवन करने से मसल्स मजबूत होते हैं और शरीर को नई ऊर्जा प्राप्त होती है। गुड़ और चने में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन मौजूद होता है जो मसल्स को मजबूत बनाने में मददगार होता है। इसलिए यदि आप मसल्स को मजबूत बनाना चाहते हैं तो प्रतिदिन आपको गुड और भुने चने का सेवन करना चाहिए।

चने की मात्रा

भुने चने 200 ग्राम, बादाम 100 ग्राम, काजू 100 ग्राम, खरबूजा बीज 50 ग्राम, खसखस 50 ग्राम, कालीमिर्च 30 ग्राम, धागे वाली मिश्री 300 ग्राम इन सबको पीसकर पाउडर बनाकर दूध या गर्म पानी के साथ 1-1 चम्मच सुबह शाम खाएं।

चेहरा

गुड़ और भुने चने का सेवन करने से चेहरे की चमक बढ़ती है क्योंकि इसमें जिंक मौजूद होता है जो त्वचा पर निखार लाने का काम करता है और नियमित इसके कुछ दिनों तक सेवन करने से आप पहले से ज्यादा स्मार्ट लगने लगते हैं।

दांत मजबूत और दिमाग होता है तेज

गुड़ चना का नियमित सेवन कैविटी को रोकने में मदद करता है क्योंकि इसमें फास्फोरस की मात्रा अधिक होती हैं। चने के साथ गुड़ का सेवन करने से आपके दांतों को फायदा होता है, जिससे वे मजबूत होते हैं। इसकी नियमित सेवन करने से दांत मजबूत होते हैं और जल्दी नहीं टूटते हैं। वहीं गुड़ और चने का सेवन एक साथ करने से याददाश्त शक्ति तेज होती है क्योंकि इसमें विटामिन बी6 प्रचुर मात्रा में होता है जो याददाश्त को बढ़ाता है। क्योंकि विटामिन बी 6 याददाश्त बढ़ाने में मदद करता है जो आपके दिमाग की कार्यक्षमता में सुधार करता है। ऐसे में आप इसे परीक्षा के समय बच्चों की डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। ये उन्हें बेहतर ढंग से चीजों को समझने में मदद करेगा। और बच्चों के इससे दांत और दिमाग दोनों स्वस्थ्य रहेंगे।

हंसना मना है

पत्नी- तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे, पति- नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है, पत्नी-क्या? पति- यही, कि मैं सो रहा था... तब से वाकई में पति की नींद गायब है...

एक बार दो चूहे के बच्चे बाइक पर जा रहे थे...रास्ते में उन्हें शेर का बच्चा मिला... उसने कहा मुझे भी बिठा लो, कुछ सोचने के बाद चूहे ने कहा...देख ले, वरना बाद में तेरी मम्मी बोलेंगी गुंडों के साथ घूमता है।

गणित की क्लास चल रही थी, टीचर ने पूछा- बताओ 1000 किलो = एक टन, तो 3000 किलो कितना होगा? पप्पू- जी सर....टन, टन, टन, टीचर को समझ नहीं आ रहा कि शाबासी दूं या क्लास से बाहर निकालूं।

बेटा बाप से- पापा से साढू का रिश्ता क्या होता है, बाप- बेटा जब दो आदमी एक ही कंपनी से ठगे जाते हैं तो साढू कहलाते हैं... तभी वहां मम्मी आ गई, बस फिर क्या है तब से मम्मी गुस्से से लाल हैं....और पापा डर के मारे पीले हो गये हैं।

महिला कैशियर- मुझे कुछ दिन की छुट्टी चाहिए, क्योंकि मुझे ऐसा लग रहा है कि मेरी सुन्दरता कुछ कम हो गई है। बैंक मैनेजर- क्या मतलब? महिला कैशियर- पुरूषों ने पैसे गिनकर लेने शुरू कर दिए हैं।

कहानी | अर्जुन और चिड़िया की आंख

एक दिन गुरु द्रोणाचार्य ने अपने शिष्यों की परीक्षा लेने का विचार किया। सभी को जंगल में बुलाया और एक पेड़ के सामने ले जाकर खड़ा कर दिया और कहा, शिष्यों, आज आप सभी की परीक्षा का दिन है। आज इस बात की परीक्षा होगी कि मेरे द्वारा दी गई धनुर्विद्या से आप सभी ने कितना सीखा है। इसके बाद द्रोणाचार्य ने उस पेड़ की तरफ इशारा करते हुए कहा, वहां देखो, उस पेड़ पर एक नकली चिड़िया लटकी है। मैं चाहता हूं कि आप सभी उसकी आंख पर निशाना लगाएं और तीर सीधा आंख के बीचों-बीच, उसकी पुतली पर जाकर लगना चाहिए। द्रोणाचार्य ने सबसे पहले युद्धिष्ठिर को बुलाया और पूछा, वत्स, तुम्हें इस समय क्या-क्या दिख रहा है? इस पर युद्धिष्ठिर ने जवाब दिया, गुरुदेव, आप, मेरे भाई, यह जंगल, पेड़, पेड़ पर बैठी चिड़िया व पत्ते आदि सब कुछ दिख रहा है। यह सुनकर द्रोणाचार्य ने युद्धिष्ठिर के हाथ से तीर कमान ले लिया और कहा कि वह इस परीक्षा के लिए अभी तैयार नहीं है। इसके बाद भीम को आगे बुलाया और उसके हाथों में तीर-कमान थमा दिया। फिर उन्होंने भीम से पूछा कि उसे क्या-क्या दिख रहा है। इस पर भीम ने जवाब दिया कि उसे भी गुरु द्रोणाचार्य, उसके भाई, पेड़, चिड़िया, धरती व आसमान सब कुछ दिख रहा है। गुरु द्रोणाचार्य ने उसके हाथों से भी धनुष-बाण वापस ले लिया और उसे अपने स्थान पर जा कर खड़े रहने को कह दिया। इस प्रकार गुरुदेव ने एक-एक करके नकुल, सहदेव और सभी कौरव पुत्रों को बुलाया और उनके हाथों में धनुष-बाण थमाते हुए, उनसे भी यही सवाल पूछा। उन सभी का जवाब भी कुछ इस प्रकार ही आया कि उन्हें गुरुदेव, भाई, जंगल, उसके आसपास की चीजें व पेड़ आदि दिख रहे हैं। इन जवाबों के बाद उन्होंने सभी को अपने-अपने स्थान पर वापस भेज दिया। आखिरी में अर्जुन की बारी आई। गुरुदेव ने उसे आगे बुलाया और धनुष-बाण उसके हाथों में दे दिया। फिर उन्होंने अर्जुन से पूछा, वत्स बताओ कि तुम्हें क्या दिख रहा है? अर्जुन ने कहा, मुझे उस चिड़िया की आंख दिख रही है, गुरुदेव। गुरुदेव ने पूछा, और क्या दिख रहा है तुम्हें, अर्जुन? मुझे उस चिड़िया की आंख के अलावा कुछ नहीं दिख रहा, गुरुवर, अर्जुन ने कहा। यह सुनकर कि अर्जुन चिड़िया की आंख के अलावा कुछ नहीं देख रहा, गुरु द्रोणाचार्य मुस्कुराए और कहा, तुम इस परीक्षा के लिए तैयार हो। निशाना लगाओ, वत्स। गुरु का आदेश मिलते ही अर्जुन ने चिड़िया की आंख पर तीर मारा और तीर सीधे उसके लक्ष्य पर जाकर लगा।

7 अंतर खोजें

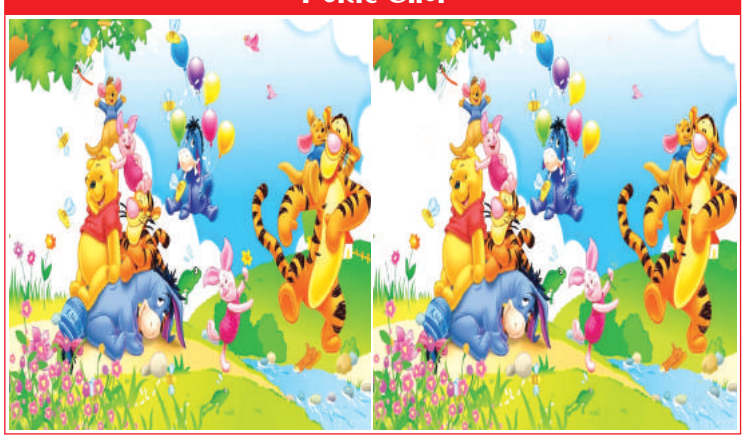

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृषभ

रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

मिथुन

नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

कर्क

मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

सिंह

बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। कुसंगति से हानि होगी।

कन्या

सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला

जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

मकर

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कुम्भ

सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी। ऐश्वर्य पर व्यय हो सकता है।

मीन

व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें।

बॉलीवुड | मन की बात

वोट न डालने वालों के लिए बने कुछ प्रावधान: परेश रावल

अभिनेता परेश रावल अपनी अदाकारी से लाखों दिलों पर राज करते हैं। अब तक कई कॉमेडी फिल्मों में उन्होंने यादगार किरदार निभाए हैं। इन्हीं में से एक हेरा फेरी और वेलकम फ्रेंचाइजी की फिल्में भी हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण के लिए मतदान जारी है। आज देश के आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 49 सीटों पर मतदाता अपना वोट डालेंगे। इसी क्रम में परेश रावल ने भी अपना वोट डाला है और फैंस से मतदान करने की अपील भी की है। वोट डालने के बाद परेश रावल ने मीडिया से बातचीत की और मतदान न करने वालों पर अपनी नाराजगी भी जाहिर की है। अभिनेता ने कहा, लोगों को सरकार से शिकायत होती है कि वह कुछ नहीं कर रही है। अब आपकी बारी है कि आप अपना वोट उसे दें, जिसने आपके हित में काम किया है। अगर आप वोट नहीं करोगे तो उसके लिए आप जिम्मेदार हैं, उसके लिए सरकार जिम्मेदार नहीं है। अभिनेता ने आगे कहा, वोट न देने वालों के लिए कुछ प्रावधान होने चाहिए, जैसे टैक्स में बढ़ोतरी या कोई और सजा होनी चाहिए। ऐसे लोगों को छोड़ना नहीं चाहिए और एक्शन लेकर हम सभी तक यह संदेश पहुंचा सकते हैं कि वोट देना सिर्फ अधिकार ही नहीं है बल्कि जरूरी भी है। अभिनेता के फैंस उनकी इस बात से सहमत हैं और इस वायरल वीडियो पर अपने रिएक्शन भी दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, परेश रावल एकदम ठीक कह रहे हैं। अपना वोट देकर सभी को अपनी पार्टी का समर्थन करना चाहिए। दूसरे यूजर ने लिखा, बाद में सभी सरकार को गाली देते हैं, जबकि वोट देने के वक्त गायब ही रहते हैं। एक और यूजर ने तंज करते हुए लिखा, परेश रावल अपनी पार्टी को जिताना चाहते हैं, इसलिए सबसे वोट डालने की अपील कर रहे हैं, सर आपके ज्ञान की किसी को जरूरत नहीं है।

मतदान के लिए फ्रांस से लौटीं कियारा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी कान फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेने के बाद सोमवार सुबह मुंबई लौट आईं। एयरपोर्ट पर वह स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं और पैपराजी से बातचीत भी की। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के बीच अभिनेत्री मुंबई में अपना वोट डालने के लिए लौटी हैं। सोशल मीडिया पर कियारा के कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें वह पैप्स से पूछती हुई सुनाई दे रही हैं कि क्या उन्होंने वोट डाला। कियारा ने पूछा, आप लोगों ने वोट दिया? इस पर फोटोग्राफर्स ने जवाब दिया, हां हमने कर दिया। कियारा ने इस साल कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू किया था, उन्होंने कान में रेड सी फिल्म फेस्टिवल द्वारा आयोजित वुमेन इन सिनेमा गाला डिनर की शोभा बढ़ाई। मीडिया से बात करते हुए कियारा ने कहा, यह बहुत ही विनम्र है। अब मेरे करियर का एक दशक होने जा रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही विशेष क्षण भी है। मैं कान में यहां आकर सच में काफी खुश हूं। पहली बार और सिनेमा में महिलाओं के लिए रेड सी फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया जाना एक बहुत ही अच्छा अनुभव रहा है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कियारा को आखिरी बार कार्तिक आर्यन के साथ सत्यप्रेम की कथा में देखा गया था। इसके बाद, उनके पास राम चरण के साथ गेम चेंजर, ऋतिक रोशन के साथ वॉर 2 और रणवीर सिंह के साथ डॉन 3 जैसे प्रोजेक्ट्स हैं। इससे पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी कान रेड कार्पेट पर बेहद खूबसूरत दिखीं। वहां से उनकी कई सारी फोटोज और वीडियोज सामने आए हैं। लेकिन कियारा का एक वीडियो ऑनलाइन वायरल होने के बाद सब बस उसी के बारे में बातें कर रहे हैं। कियारा ने वॉक करने के बाद मीडिया से बातचीत की और पूरी तरह से बनावटी तरीका इस्तेमाल किया। वो ऑफ-शोल्डर गुलाबी और काले गाउन में एक स्टेटमेंट बो पहने बेहद खूबसूरत लग रही थीं लेकिन उनके एक्सेंट ने लोगों का मूड खराब कर दिया है। कियारा को ऐसे बोलते हुए देखकर लोग उन्हें बुरी तरह ट्रोल कर रहे हैं। रेड कार्पेट पर चलते हुए, कियारा ने इवेंट में आने पर अपनी एक्साइटमेंट शेयर की। इसके बारे में बोलते हुए उन्होंने शुरुआत की और कहा, यह बहुत अच्छा है। अब मेरे करियर को एक दशक होने जा रहा है, इसलिए यह एक बहुत ही खास पल है। मैं पहली बार यहां कान में आकर और सिनेमा में महिलाओं के लिए रेड सी फाउंडेशन से सम्मानित किए जाने पर बहुत आभारी हूं।

फैंस से पूछा- क्या आप लोगों ने वोट दिया

रक्षणा के निर्माताओं के खिलाफ हो कानूनी कार्रवाई : पायल

साउथ अभिनेत्री पायल राजपूत अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री एक बार फिर चर्चा में आ गई है। हालांकि, इस बार वजह उनकी फिल्म नहीं बल्कि आरोप है। दरअसल, पायल राजपूत ने रक्षणा प्रोड्यूसर्स पर गंभीर आरोप लगाते हुए इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर हैरान कर देना वाला खुलासा किया है। अभिनेत्री ने रक्षणा के निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पायल ने आरोप लगाया है कि निर्माताओं ने अभी तक उनके काम के बकाया पैसे नहीं दिए हैं। पायल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक नोट साझा किया है, जिसमें उन्होंने बताया था कि निर्माताओं ने फिल्म का प्रमोशन नहीं करने पर उन्हें तेलुगु फिल्मों से बैन करने की धमकी दी है। यही नहीं, पायल ने इसके अलावा कई और खुलासे भी किए है। पायल ने पोस्ट साझा कर लिखा, मेरे पास एक फिल्म है रक्षणा जिसे 2019 और 2020 में शूट किया गया था, इसका ओरिजिनल नाम 5Ws था। रिलीज में देरी होने के कारण अब वे मेरे काम का बिना पैसे दिए फिल्म के प्रमोशन में आने की मांग कर रहे हैं। मैंने उन्हें प्रमोशन करने के लिए मना कर दिया जिसे बाद रक्षणा के मेकर्स ने मुझे तेलुगु सिनेमा से बैन करने की धमकी दी। पायल ने आगे कहा, हमारी टीम ने रक्षणा के डिजिटल प्रमोशन के लिए बातचीत करने की भी कोशिश की और मैंने उनसे मेरे ड्यू अमाउंट का भुगतान करने की बात भी कही।

कहा- प्रोड्यूसर्स ने तेलुगु सिनेमा से बैन करने की मुझे दी धमकी

अजब-गजब | यहां है तलाकशुदा महिलाओं का बाजार

जहां डिवोर्स के बाद मनाती हैं जश्न

तलाक किसी के लिए खुशी का मौका नहीं होता। लेकिन धरती पर एक जगह ऐसी भी है, जहां महिलाएं खुशी-खुशी अपने तलाक का जश्न मनाती हैं। शादी-विवाह की तरह पार्टियां आयोजित की जाती हैं। लोग नाचते-गाते हैं और धूम मचाते हैं। इसे 'डिवोर्स पार्टी' कहा जाता है। महिला की मां ढोल बजाकर अपने समाज को बताती है कि आज से मेरी बेटी तलाकशुदा है। इसके बाद ये महिलाएं अपनी जिंदगी खुद संवारती हैं। बकायदा इनका बाजार है, जहां ये अपनी दुकानें लगाती हैं। कपड़ों से लेकर जरूरत की हर चीजें बेचती हैं। चौंकिए मत, हम बात कर रहे पश्चिम अफ्रीकी देश मॉरिटेनिया की। जहां इस परंपरा का वर्षों से पालन किया जा रहा है। हाल ही में एक यूट्यूबर इनके बाजार में गया, और जो कहानी उन्होंने बताई, तो जानकर लोग दंग रह गए। रेगिस्तानी देश मॉरिटेनिया में कई बार तलाक लेना आम है। इसलिए महिलाओं के लिए यह दुख में डूबने का मौका नहीं, बल्कि जश्न की बात है। तलाक के बाद महिला अपने बच्चों के साथ मायके वापस चली जाती है। वहां उसकी मां और बहनें गर्मजोशी से स्वागत करती हैं। जघ्रौटा नाम की एक ध्वनि बजाई जाती है। घर की महिलाएं और पुरुष गाना गाते हैं। नाचते हैं और खुशी मनाते हैं। महिला के घरवाले उसके पूर्व पति की खामियां गिनाते हैं। इस बात के लिए उसे चिढ़ाते हैं कि उसे इस बात का एहसास नहीं है कि उसने

क्या खोया है। महिला की सहेलियां एक शानदार पार्टी देती हैं। यह पार्टी उस महिला को शर्म और आलोचना के सारे बंधनों से मुक्त कर देती है। महिला इसके बाद स्वतंत्र होती है और दूसरी शादी कर सकती है। यहां एक और परंपरा है, जब एक कुंवारा शख्स पार्टी देता है, ताकि वह एक महिला को लुभा सके। अक्सर ऐसी महिलाओं पर उसकी नजर होती है, जो शादीशुदा हैं। कई बार तलाक दे चुकी महिला को भी उसका पूर्व पति इस पार्टी के माध्यम से लुभाने की कोशिश करता है। ताकि वह अपने फैसले पर पुनर्विचार कर सके। मॉरिटानिया के पुरुष तलाकशुदा महिलाओं को परिपक्व और अनुभवी मानते हैं। मॉरिटेनिया में रहने वाली ज्यादातर महिलाएं मुस्लिम हैं। तलाक के बाद बच्चों की कस्टडी मां को मिलती है। ऐसे में उनके भरण पोषण और अपनी जिंदगी चलाने के लिए उन्हें काम करना पड़ता है। कुछ महिलाएं नौकरी और दूसरे कामों में लग जाती हैं, लेकिन बहुत सारी महिलाएं यहां के डिवोर्स मार्केट में या तो दुकानें खोल लेती हैं। या उन दुकानों पर काम करके गुजारा करती हैं। तमाम महिलाएं फर्नीचर की दुकानें लगाती हैं। महिलाएं कहती हैं कि तलाक उनके लिए जश्न का मौका होता है। वे एक नई दुनिया शुरू करती हैं। महिला फिर से शादी कर सकती है। वह अपने हिसाब से फिर से एक नया पति चुन सकती है।

पुराने घर में छिपा था तहखाना, अंदर का नजारा देख शख्स के उड़े होश!

अगर आप किसी पुराने घर में जाते हैं, तो आप उसके चप्पे-चप्पे को जान लेना चाहते हैं। वो बात अलग है कि ऐसे घरों में रहने वालों को उसके कोने-कोने की जानकारी होती है। हालांकि कई बार ऐसा भी हो जाता है कि खुद मालिक को ही नहीं पता होता है कि घर में कोई रहस्यमय तहखाना या छिपी हुई जगह है, जो कभी इस्तेमाल में आई ही नहीं। एक शख्स के साथ भी ऐसा ही हुआ। सोशल मीडिया पर उसने अपने साथ हुई ऐसी घटना के बारे में बताया, जिसे सुनकर आपको ये किसी फिल्मी कहानी की तरह लगेगा। शख्स इस घर में खुद को सिर्फ 5 साल रह रहा था लेकिन उसके माता-पिता के पास पहले से घर का मालिकाना हक था। इस ऐतिहासिक घर में रहते हुए कभी भी किसी का ध्यान इस तरफ गया ही नहीं, जहां पर छिपा हुआ एक सुनहरा ताला था। रेडिट पर इस घटना के बारे में बताते हुए शख्स ने लिखा कि वो अपने डाइनिंग रूम में मौजूद था। वहां सामने एक स्लेटी रंग की दीवार पर उसे दो पत्थर दिखाई दिए। ये इस तरह रखे हुए थे कि इन्हें आसानी से हटाया जा सकता था। वो पत्थर को हटाने पहुंचा तो उसे इसके नीचे एक सुनहरे रंग का ताला दिखाई दिया। ताले को देखकर हैरान शख्स ने इसे घुमाया और घुमाते ही दीवार किसी दरवाज़े की तरह खुल गई। गुप्त दरवाज़े के पीछे एक छोटा और बिल्कुल अंधेरा कमरा था। शख्स ने कमरे को तो देखा लेकिन अंदर जाने की हिम्मत नहीं कर पाया। इस वीडियो को जिसने भी देखा, वो सकते में आ गया। कुछ यूज़र्स ने इस पर कमेंट भी किया और कहा कि ये वाकई डरावना है। एक यूज़र ने लिखा- ये स्वीट मर्डर रूम है भाई। एक अन्य यूज़र ने कहा- मैं होता तो घर छोड़कर ही भाग जाता भाई। वैसे आपको बता दें कि यूके से ऐसे कई मामले आए हैं, जिनमें लोगों को अपने ही घर में छिपे हुए रहस्यों के बारे में जानकारी नहीं थी और उन्हें ये अचानक ही मिले।

देश में बदलाव की आंधी चल रही है : राहुल

» बोले- अब अपने मुद्दों पर वोट कर रही जनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के बाद कहा कि जनता विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के साथ मिलकर खुद यह चुनाव लड़ रही है और देश भर में बदलाव की आंधी चल रही है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, आज लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण का मतदान है।

पहले चार चरणों में ही यह साफ हो गया है कि जनता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए खड़ी हो गई है और भाजपा को हरा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि नफ़रत की राजनीति से ऊब चुका यह देश अब अपने मुद्दों पर वोट कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा, युवा नौकरी के लिए, किसान एमएसपी और कर्ज़ से मुक्ति के लिए, महिलाएं आर्थिक निर्भरता और सुरक्षा के लिए तथा मज़दूर वाजिब मेहनताने के लिए...। उन्होंने कहा कि जनता विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के साथ मिलकर खुद यह चुनाव लड़ रही है और देश भर में बदलाव की आंधी चल रही है।

झूठ का बड़ा मायाजाल नाकाम होगा : प्रियंका गांधी

प्रियंका गांधी ने कहा आप जन गण मन की वह शक्ति हो जिसके सामने झूठ का बड़े से बड़ा मायाजाल नाकाम हो जाता है। आप भटकावे की राजनीति को आईना दिखाते हुए उंगलियों पर गिना देते है कि किसने कितना काम किया और किसने सिर्फ बरगलाने की राजनीति की। कांग्रेस महासचिव ने कहा, आज अपनी इस जागरूकता को जनादेश मे बदलने का समय है। भारी से भारी संख्या मे मतदान करे और पूरे देश को यह संदेश भेजे कि आप लोकतंत्र, संविधान और विकास की सकारात्मक राजनीति के साथ हैं।

खटा-खट के नारे में लोगों को खींचा

खटा-खट केनारे ने लोगों का ध्यान इस हद तक खींच लिया है कि निवर्तमान प्रधानमंत्री भी इस पर प्रतिक्रिया देने को मजबूर हो गए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रत्येक व्यक्ति के लिए मुफ्त अनाज की मात्रा को दोगुना करने की गारंटी की घोषणा ने उत्तर और पूर्वी भारत मे ज़ोरदार प्रभाव डाला है। कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि जैसे-जैसे प्रधानमंत्री के सत्ता के आखिरी दिन करीब आ रहे है, वह तथ्यो को तोड़ मरोड़कर पेश करने, ध्यान भटकाने और बदनाम करने की अपनी ओछी राजनीति के और निचले स्तर तक उतरते जा रहे हैं।

राजग की विदाई तय : जयराम

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण का मतदान संपन्न होने के बाद दावा किया कि देश की हवा बदल चुकी है और यह आंधी का रूप ले रही है तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की विदाई तय है। लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण मे कुल 49 सीट पर वोट डाले गए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, पांचवे चरण का मतदान खत्म होने के साथ ही 428 सीटो पर मतदान संपन्न हो चुका है। निवर्तमान प्रधानमंत्री की विदाई के अब सिर्फ़ 15 दिन शेष रह गए है। उन्होने दावा किया कि पहले चरण से जो रूझान शुरू हुआ था वह धीरे-धीरे मज़बूत होता जा रहा है, यह स्पष्ट है कि भाजपा, दक्षिण मे साफ़ और उत्तर, पश्चिम एवं पूरब मे हाफ होने जा रही है। रमेश ने कहा, ऐसा लगता है कि इंडिया गठबंधन पहले ही 272 सीटो के आंकड़े को पार कर चुका है और कुल मिलाकर 350 से अधिक सीटे जीतने की ओर अग्रसर है। मोदी जी का जाना अब लगभग तय हो गया है। कमरतोड़ महंगाई, रिकॉर्ड तोड़ बेरोज़गारी, और संविधान को बदलने एवं आरक्षण को खत्म करने की भाजपा की धमकियां मुख्य रूप से वे कारण है, जिनकी वजह से लोग इस सरकार को सत्ता से बेदखल करने जा रहे है। रमेश के अनुसार, यह चुनाव कांग्रेस पार्टी के सकारात्मक अभियान के आसपास केंद्रित रहा है। हमारा न्याय पत्र और हमारी गारंटियां सभी दलो के प्रचार अभियान के केंद्र मे रही।

कांग्रेस ने खरगे के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणियों को लेकर बंगाल प्रभारी से रिपोर्ट तलब की

कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल मे पार्टी के कुछ पदाधिकारियो द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ की गई अशोभनीय टिप्पणियो और प्रदेश इकाई के कार्यालय मे तोड़फोड़ के मामले को पार्टी विरोधी गतिविधि एवं अनुशासनहीनता करार दिया है तथा प्रभारी गुलाम अहमद मीर से तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक बयान जारी कर कहा कि इस घटनाक्रम से पार्टी के कार्यकर्ताओ की भावनाएं आहत हुई है तथा इसे बर्दाश्त नही किया जाएगा। कोलकाता मे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय के सामने रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के कई पोस्टर और होर्डिंग्स पर कथित तौर पर स्याही फेंकी गई थी। खरगे ने तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी की इंडिया गठबंधन के प्रति निष्ठा पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी को फटकार लगाई थी, जिसके एक दिन बाद यह घटना हुई। वेणुगोपाल ने सोमवार को एक बयान जारी कर कहा, यह हमारे संज्ञान मे लाया गया है कि कांग्रेस के कुछ पदाधिकारियो और कार्यकर्ताओ ने मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया पर माननीय कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ कुछ अशोभनीय टिप्पणियां की है। कुछ उपद्रवियो द्वारा डब्ल्यूबीपीसीसी कार्यालय के बाहर लगे होर्डिंग को भी तोड़ने की घटना को अंजाम दिया गया है। इससे पार्टी के लाखो कार्यकर्ताओ और समर्थको की भावनाएं आहत हुई है। उन्होने कहा, हम ऐसी गंभीर पार्टी विरोधी गतिविधियो को बहुत गंभीरता से ले रहे है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अवज्ञा और अनुशासनहीनता के ऐसे सार्वजनिक प्रदर्शन को बर्दाश्त नही करेगी।

पुणे में लापरवाही से कार चलाने वाले मामले पर भड़की शिवसेना यूबीटी

» पुलिस कमिश्नर को निलंबित करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे में लापरवाही से कार चलाने वाला मामला गंभीर होता जा रहा है। रविवार को एक लग्जरी कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने कार चला रहे नाबालिग को गिरफ्तार किया था, लेकिन किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश होने के कुछ ही घंटों बाद उसे जमानत दे दी गई।

हालांकि, पुलिस ने इस मामले में अब नाबालिग के पिता को हिरासत में लिया है। लापरवाही से कार चलाने के मामले में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी। संजय राउत ने इस मामले में पुलिस को फटकार लगाई।

आरोपी को बचाने की कोशिश कर रहे पुलिस अधिकारी : राउत

उन्होंने पुलिस कमिश्नर पर नाबालिग को बचाने का आरोप लगाया। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा, पुलिस कमिश्नर को निलंबित किया जाना चाहिए। वह आरोपी को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस हादसे में दो युवाओं की मौत हो गई और आरोपी को दो घंटे के भीतर जमानत पर छोड़ दिया गया। वीडियो में साफ दिख रहा कि वह नशे में धुत था, लेकिन उसका मेडिकल रिपोर्ट नेगेटिव आया। आरोपी की मदद कौन कर रहा? ये पुलिस कमिश्नर कौन है? उसे हटाया जाना चाहिए, वरना पुणे की जनता सड़कों पर उतरेगी।

मुसलमानों पर झूठ बोल रहे पीएम : डी. राजा

» विपक्ष का आरोप: हर मंच से नफरती भाषण दे रहे हैं मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अल्पसंख्यकों के खिलाफ कभी एक शब्द भी नहीं बोलने की टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना करते हुए कहा कि वह झूठ बोल रहे हैं क्योंकि वह हर उपलब्ध मंच से मुसलमानों के खिलाफ नफरत भरे भाषण दे रहे हैं। मोदी ने एक साक्षात्कार में कहा है कि उन्होंने अल्पसंख्यकों के खिलाफ कभी एक शब्द भी नहीं बोला और भारतीय जनता पार्टी केवल आज ही नहीं, बल्कि कभी भी अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं रही है।

हालांकि, प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वह किसी को भी विशेष नागरिक के तौर पर स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा ने कहा, यह पूरी तरह से झूठ है। मोदी जानते हैं कि वे (भाजपा) मुसलमानों के बारे में कैसी बात बोल रहे हैं। मंगलसूत्र, अधिक बच्चों को जन्म देने वाली माताओं के बारे में किसने बात की? मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों का अपमान किया गया है और उन्हें कई वाजिब अधिकारों से वंचित किया गया है।

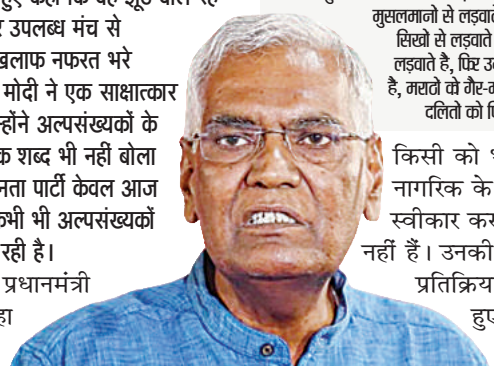

हिंदुओं को भी आपस में लड़वाते हैं : संजय सिंह

आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री की टिप्पणियां हास्यास्पद है क्योंकि वह रोजाना नफरत की जुबान मे बात करते है। सिंह ने कहा, केवल हिंदू और मुस्लिम ही नही, वह हिंदुओ को भी आपस मे लड़वाते है। पहले हिंदुओ को मुसलमानो से लड़वाते है, फिर हिंदुओ को सिखो से लड़वाते है, फिर ईसाइयो से लड़वाते है, फिर उन्हे बौद्धो से लड़वाते है, मराठो को गैर-मराठो से लड़वाते है, दलितो को पिछड़ो से लड़वाते है।

पीएम देश के विकास के बारे में नहीं, बल्कि अपनी पार्टी के विकास के बारे में सोचते हैं : सिब्बल

राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य की कोई बात नही हो रही है जो हमे विकसित भारत की ओर ले जाएगा, बल्कि मंगलसूत्र की चर्चा हो रही है। सिब्बल ने कहा, वे देश के विकास के बारे मे नही, बल्कि अपनी पार्टी के विकास के बारे मे सोचते है।

दीप्ति ने दिव्यांगता को दी मात, जमाई स्वर्णिम धाक

» विश्व पैरा चैम्पियनशिप में 400 मीटर टी20 में स्वर्ण पदक जीता

» नया वर्ल्ड रिकॉर्ड किया कायम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दीप्ति ने अमेरिका की ब्रियाना क्लार्क का 55.12 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा जो उसने पिछले साल पेरिस में बनाया था। तुर्की की एसिल ओंडेर 55.19 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रही जबकि एक्वाडोर की लिजांशेला एंगुलो 56.68 सेकंड का समय निकालकर तीसरे स्थान पर रही। कोबे।

भारत की दीप्ति जीवनजी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर टी20 रेस में 55.07 सेकंड के विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। दीप्ति ने अमेरिका की ब्रियाना क्लार्क का 55.12 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा जो उसने पिछले साल पेरिस में बनाया था। तुर्की की एसिल ओंडेर 55 . 19 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रही जबकि एक्वाडोर की लिजांशेला एंगुलो 56 . 68 सेकंड का समय निकालकर तीसरे स्थान पर रही। दीप्ति ने रविवार को एशियाई रिकॉर्ड समय 56 . 18 सेकंड के साथ अपनी हीट रेस जीती थी। टी20 वर्ग की रेस बौद्धिक रूप से अक्षम खिलाड़ियों के लिये है। योगेश कथुनिया ने पुरूषों के एफ 56 वर्ग चक्का फेंक में 41 . 80 मीटर के साथ रजत पदक जीता। भारत ने अब तक एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीत लिये हैं।

भारत की 4गुणा 400 रिले टीम को एशियाई रिले में सोना

भारत की मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने पहली एशियाई रिले चैंपियनशिप में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। भारतीय टीम हालांकि पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही। मुहम्मद अजमल, ज्योतिका श्री दांडी, अमोज जैकब और शुभा वेंकटेशन की चौकड़ी ने तीन मिनट 14.12 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन मिनट 14.34 सेकेंड का था जो भारतीय टीम ने पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने के दौरान बनाया था। भारतीय टीम रेस के चारों चरण के दौरान बढ़त बनाए हुए थी। श्रीलंका की टीम तीन मिनट 17.00 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रही जबकि वियतनाम की टीम ने तीन मिनट 18.45 सेकेंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। सोमवार का यह समय भारतीय टीम को विश्व एथलेटिक्स की रोड टू पेरिस सूची में 21वें स्थान पर जगह दिलाता है। टीम का लक्ष्य 15वें या 16वें स्थान तक आना था।

सूचना

मैं रविन्द्र नाथ चौबे आयु 59 वर्ष, पुत्र श्री स्व. सत्य नारायण चौबे, म.नं. ए-10, पारिजात एन्क्लेव, सेक्टर-6बी के पास लखनऊ, उ.प्र. 226029 का निवासी हूं मैं यह सूचित करता कि मैं अपने छोटे पुत्र राजीव चतुर्वेदी पुत्र श्री रविन्द्र नाथ चौबे, म. नं. ए-10, पारिजात एन्क्लेव, सेक्टर-6बी के पास लखनऊ, उ.प्र. 226029 एवं उसकी पत्नी के मेरे परिवार के प्रति अभद्र व्यवहार एवं आवारा होने के कारण उससे संबंध विच्छेद कर लिया है और राजीव चतुर्वेदी एवं उनकी पत्नी को अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनके द्वारा किये गये कृत्यों एवं लेन-देन की मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

रविन्द्र नाथ चौबे
म.नं. ए-10, पारिजात एन्क्लेव,
सेक्टर-6बी के पास
लखनऊ, उ.प्र. 226029

पिता की पुण्यतिथि पर भावुक हुए राहुल गांधी

» कृतज्ञ राष्ट्र ने पूर्व पीएम को किया याद, कांग्रेस नेताओं ने समाधि स्थल वीर भूमि पर जाकर दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

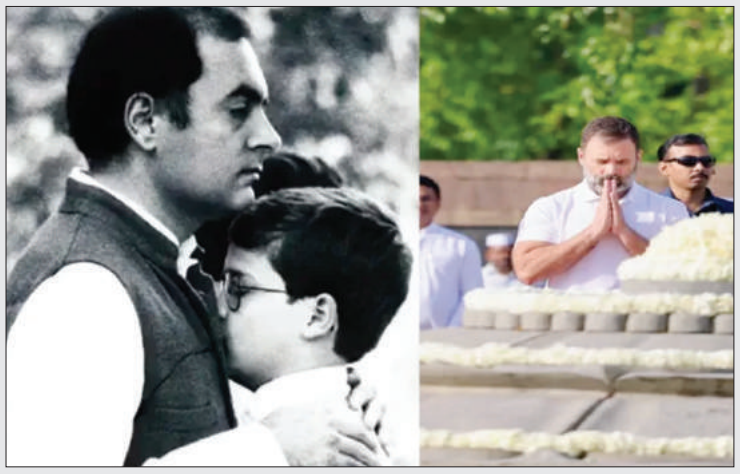

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सोनिया गांधी, खरगे, राहुल गांधी और कुछ अन्य कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी के समाधि स्थल वीर भूमि पर जाकर पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी।

राहुल गांधी ने अपने पिता के साथ की बचपन की एक तस्वीर एक्स पर साझा करते हुए पोस्ट किया, पापा, आपके सपने, मेरे सपने, आपकी आकांक्षाएं, मेरी जिम्मेदारियां। आपकी यादें, आज और हमेशा, दिल में सदा। राजीव गांधी 1984 से 1989 के बीच भारत के प्रधानमंत्री रहे। उनकी 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर में एक चुनाव प्रचार अभियान के दौरान लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के सदस्यों ने हत्या कर दी थी।

आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा थे पूर्व पीएम : खरगे

खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, 21वीं सदी के आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा, भारतीय सूचना क्रांति के जनक, पंचायतीराज सशक्तीकरण के सूत्रधार, एवं शांति व सद्भाव के पुरोधा पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न राजीव गांधी जी के बलिदान दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा, ''भारत को एक सुदृढ़ एवं सशक्त राष्ट्र बनाने में उनके उल्लेखनीय योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

शांति की स्थापना के लिए जान दी : जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने देश में प्रौद्योगिकी के विकास और कई क्षेत्रों में शांति की स्थापना के लिए किए गए राजीव गांधी के प्रयासों को याद किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 33 साल पहले राजीव गांधी शहीद हुए थे। उनका राजनीतिक जीवन बहुत छोटा लेकिन बेहद प्रभावशाली था। उन्होंने अपने पीछे अनगिनत विरासतें छोड़ीं जिन्हें अब हम हल्के में लेते हैं। रमेश ने कहा, राजीव गांधी की एक विरासत, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, वह है कांग्रेस का 1991 का घोषणापत्र, जिसे उन्होंने 15 अप्रैल, 1991 को जारी किया था और जिस पर उन्होंने व्यक्तिगत रूप से 10 दिन की अवधि का लंबा समय बिताया था। उनके मुताबिक, 23 जुलाई 1991 को कांग्रेस कार्य समिति की एक बैठक में वित्त मंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह ने नरसिम्हा राव सरकार द्वारा आर्थिक नीतियों को लेकर लाए गए परिवर्तनों को उचित ठहराने के लिए इस घोषणापत्र को उद्धृत किया था।

पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन : अरविंद केजरीवाल

देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवालने श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन।

भारत को सुधारवादी कार्यों से आगे बढ़ाया : पवार

शरद पवार ने श्रद्धांजलि देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा,देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अपनी दूरदर्शी नीतियों से दूरसंचार क्रांति की शुरुआत कर भारत को कंप्यूटर युग से परिचित कराया। राजीव गांधी के आधुनिक विचारों की छाप उनके सुधारवादी कार्यों में देखी जा सकती है, आधुनिक सोच और अद्भुत निर्णय क्षमता वाले भारत रत्न स्व. राजीव गांधी जी की पुण्य तिथि पर सादर नमन।

भगवान जगन्नाथ पर संबित पात्रा की फिसली जुबान, ओडिशा में मचा घमासान

» बीजेपी भगवान का भी करती है अपमान : नवीन पटनायक

» भगवान जगन्नाथ को पीएम मोदी का भक्त बोल गए थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। भाजपा नेता और पुरी लोकसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार संबित पात्रा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भगवान जगन्नाथ पर एक फिसलन भरी टिप्पणी वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। वायरल क्लिप में पात्रा को एक निजी ओडिया चैनल से बात करते हुए दिखाया गया है जहां उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि भगवान जगन्नाथ पीएम मोदी के भक्त हैं।

वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए, ओडिशा के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ बीजू जनता दल के प्रमुख नवीन पटनायक ने कहा, महाप्रभु श्री जगन्नाथ ब्रह्मांड के भगवान हैं। महाप्रभु को दूसरे इंसान का भक्त कहना भगवान का अपमान है। इससे भावनाएं आहत हुई हैं और दुनिया भर में करोड़ों जगन्नाथ भक्तों और उड़िया लोगों की आस्था को अपमानित किया। भगवान जगन्नाथ को उड़िया अस्मिता (गौरव) का सबसे बड़ा प्रतीक बताते हुए पटनायक ने पात्रा के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा, ऐसा करके आपने ओडिया अस्मिता को गहरी चोट पहुंचाई है और इसे ओडिशा के लोग लंबे समय तक याद रखेंगे और इसकी निंदा करेंगे।

'पश्चाताप के लिए तीन दिन करूंगा उपावास'

बाद में संबित पात्रा ने अपनी टिप्पणी पर सफाई देते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह जुबान की फिसलन थी। एक्स पर नवीन पटनायक की पोस्ट का जवाब देते हुए, संबित पात्रा ने लिखा, नवीन जी नमस्कार! आज पुरी में श्री नरेंद्र मोदीजी के रोड शो की भारी सफलता के बाद मैंने कई मीडिया चैनलों को कई बाइट्स दीं, हर जगह मैंने उल्लेख किया कि मोदी जी एक उत्साही व्यक्ति हैं। श्रीजगन्नाथ महाप्रभु के भक्त । एक बाइट के दौरान गलती से मैंने इसका ठीक उल्टा उच्चारण कर दिया। मैं जानता हूं कि आप भी इसे जानते और समझते हैं। उन्होंने कहा, सर, किसी अस्तित्वहीन मुद्दे को मुद्दा न बनाएं। हम सभी की कभी-कभी जुबान फिसल जाती है। धन्यवाद और प्रणाम। एक्स पर एक वीडियो में पात्रा ने कहा कि वह अपनी गलती पर पश्चाताप करने के लिए तीन दिनों तक उपवास करेंगे। पात्रा की पोस्ट का हिंदी में मोटा अनुवाद कहते हुए, आज, मैं महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी के संबंध में की गई अपनी गलती से बहुत परेशान हूं। उन्होंने कहा, मैं महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी के चरणों में झुकता हूं और क्षमा मांगता हूं। मैं अपनी गलती सुधारने और पश्चाताप करने के लिए अगले तीन दिनों तक उपवास करूंगा।

जगन्नाथ भक्तों को पहुंचाई ठेस : कांग्रेस

पात्रा की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने भी बीजेपी पर निशाना साधा। बीजेपी नेता संबित पात्रा का कहना है कि महाप्रभु भगवान श्रीजगन्नाथ नरेंद्र मोदी के भक्त हैं, यह महाप्रभु का घोर अपमान है। इस बयान से करोड़ों भक्तों की आस्था को ठेस पहुंची है। मोदी भक्ति में डूबे संबित पात्रा को ऐसा नहीं करना चाहिए था यह पाप किया है। नरेंद्र मोदी को खुद इस घृणित बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए पार्टी के एक्स हैंडल पर एक पोस्ट पढ़ी गई। भगवान विष्णु का एक रूप, भगवान जगन्नाथ, ओडिशा में एक लोकप्रिय देवता हैं और पुरी में उनका मंदिर एक तीर्थ स्थल है।

आप ने भी घेरा

आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भी पात्रा की आलोचना करते हुए उनकी टिप्पणी को भगवान का अपमान बताया। उन्होंने कहा, मैं बीजेपी के इस बयान की कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने सोचना शुरू कर दिया है कि वे भगवान से ऊपर हैं। यह अहंकार की पराकाष्ठा है। मोदी जी को भगवान भक्त कहना भगवान का अपमान है।

बिहार में चुनाव बाद हिंसा से गरमाई राजनीति

» छपरा में फायरिंग में एक की मौत, दो जख्मी, इंटरनेट हुआ बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के छपरा में चुनाव के बाद मंगलवार 21 में को बड़ी घटना हुई है। छपरा में दो गुटों के बीच गोलीबारी हुई है जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। इस घटना में दो लोग घायल भी हुए हैं जिनका इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। इस घटना के बाद बिहार में राजनीति भी गरमा गई है। भाजपा व राजद में वारपलटवार भी शुरू हो गई।

बता दें कि यह घटना छपरा के नगर थाना क्षेत्र के भिखारी ठाकुर चौक पर हुई है। यहां भारतीय जनता पार्टी और आरजेडी समर्थकों के बीच विवाद हो गया। इस विवाद के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। वही सारण के डीएम ने बताया है कि इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई है। दोनों ही पार्टियों ने एक दूसरे पर कई राउंड की गोलियां चलाई। बता दें कि बीते सोमवार को हुए लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के दौरान सारण में बूथ संख्या 118 पर मतदान के समय तनाव काफी अधिक बढ़ गया था। इस तनाव के बाद ही यह बवाल हुआ है। बता दें कि भिखारी ठाकुर चौक पर चाय की दुकान पर सुबह के समय कुछ लोग चाय पी रहे थे। इस दौरान एक पक्ष के कुछ लोगों ने आकर दूसरे पक्ष के लोगों को धक्का दिया और दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। दोनों पक्षियों के बीच विवाद इतना अधिक बढ़ा की नौबत गोलाबारी तक आ गई। माना जा रहा है कि हमला करने वाले राजद के कार्यकर्ता है। हालांकि आधिकारिक तौर पर कोई बयान सामने नहीं आया है। घटनास्थल पर पुलिस बड़ी संख्या में मौजूद है।

मुंबई के पोलिंग बूथ एजेंट का टॉयलेट में मिला शव पुलिस ने शुरू की जांच

महाराष्ट्र के मुंबई के वर्ली इलाके में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पोलिंग बूथ के शौचालय में पोलिंग एजेंट मृत पाया गया है। मृतक पोलिंग एजेंट की पहचान मनोहर नलगे के तौर पर हुई है। मनोहर नलगे (62) शिवसेना यूबीटी के पोलिंब बूथ एजेंट थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया है और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने इस घटना के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ में पिकअप वाहन पलटने से 19 की मौत, चार घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। एक दुखद घटना में, छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में एक पिकअप वाहन पलट जाने से 19 लोगों की जान चली गई और 4 अन्य घायल हो गए। कवर्धा में सुबह तड़के यह हादसा हुआ। मृतकों में कई यात्री शामिल हैं जो पिकअप वाहन में सवार थे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि वाहन की गति तेज़ रही होगी, जिसके कारण वह नियंत्रण खो बैठा और पलट गया। सटीक कारण निर्धारित करने के लिए अधिकारी गहन जांच कर रहे हैं।

राज्य सरकार ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और त्रासदी से प्रभावित लोगों को सहायता का आश्वासन दिया है। इस विनाशकारी दुर्घटना ने स्थानीय समुदाय को झकझोर कर रख दिया है, और जांच जारी रहने के कारण और अपडेट की उम्मीद है। यह दुखद घटना छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के बहपानी इलाके में हुई। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि 19 लोगों की मौत हो गई है और 10 लोग घायल हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।